नई दिल्ली ■ शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 11 ■ पृष्ठ 12

JBT

www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य को चंपत! | 07 चेन्नई को कोलकाता का करना होगा सामना | फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को... 06

TUITION TIGER

learn smart

LIVE Online Interactive Classes

Class 6th to Class 12th

Batch Start Date 14 April 2025

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919

TUITION TIGER
learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES
(only 30 Students per Batch)

CLASS 6 NEEV — CLASS 7 PRAKHAR — CLASS 8 VIRAJ

Fee Rs. 24,000/- Per Course

CLASS 9 PARAKRAM — CLASS 10 PRAKET

Fee Rs. 30,000/- Per Course

CLASS 11 TEJAS (PCM) — CLASS 11 PRAVAAH (PCB)

CLASS 12 ADITYA (PCM) — CLASS 12 AYUR (PCB)

Fee Rs. 36,000/- Per Course

LIVE CLASSES

CLASS 6 EXCEL — CLASS 7 PULSE — CLASS 8 AVENGER

Fee Rs. 2,400/- Per Course

CLASS 9 HECTOR — CLASS 10 HERCULES

Fee Rs. 3,000/- Per Course

CLASS 11 HERMES (PCM) — CLASS 11 ZENITH (PCB)

CLASS 12 APOLLO (PCM) — CLASS 12 CATALYST (PCB)

Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

नई दिल्ली ■ शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 11 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य को चंपत! | 07 चेन्नई को कोलकाता का करना होगा सामना | फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को... 06

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी का अमेरिका से 'सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित'

तहव्वुर हुसैन राणा को भारत लाये जाने के बाद गिरफ्तार किया गया: एनआईए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गुरुवार को घोषणा की कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से 'सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित' कराने के बाद भारत लाया गया और फिर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के 64 वर्षीय कनाडाई नागरिक राणा को गुरुवार शाम एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जिससे कई दिन से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि उसे कब और कैसे प्रत्यर्पित किया जाएगा।

एनआईए ने देर शाम एक बयान में कहा कि राणा को 'दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया'। एजेंसी ने बताया कि राणा को एनआईए और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) की टीम दिल्ली लेकर आईं। इसने कहा कि एनआईए की एक टीम ने सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद राणा को विमान से उतरने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी ने पूर्व में एक बयान में कहा कि 2008 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाने के लिए वर्षों के सतत एवं ठोस प्रयासों के बाद यह प्रत्यर्पण हुआ है। मुंबई में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को किए गए भीषण हमलों में 166 लोग मारे गए थे।

बयान में कहा गया कि यूएसडीओजे, अमेरिकी स्काई मार्शल की सक्रिय सहायता से एनआईए ने संपूर्ण प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों, एनएसजी के साथ मिलकर काम किया, जिसमें भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने भी मामले को सफल निष्कर्ष तक ले जाने के लिए अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया। राणा के दिल्ली पहुंचने की खबर मिलने के तुरंत बाद एनआईए का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र मान पटियाला हाउस अदालत परिसर पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को वहां से चले जाने को कहा और यह भी कहा कि वे (पुलिस) यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि अदालत परिसर पूरी तरह से खाली हो। हालांकि, वकीलों ने घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी करने से इनकार किया।

खबर लिखे जाने तक राणा के खिलाफ मामले में एनआईए कोर्ट में सुनवाई जारी रही।

राणा का प्रत्यर्पण मुंबई आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः अमेरिका

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा का प्रत्यर्पण इस बर्बर हमले के पीड़ितों के लिए 'न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम' है। न्याय विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान के मूल निवासी और कनाडाई नागरिक राणा को 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में उसकी कथित भूमिका से जुड़े 10 आपराधिक आरोपों पर मुकदमा चलाने के लिए भारत प्रत्यर्पित किया। अमेरिकी न्याय विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि राणा का प्रत्यर्पण उन छह अमेरिकियों और कई अन्य पीड़ितों के लिए न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बर्बर हमलों में मारे गए थे।

'कनाडाई नागरिक' तहव्वुर राणा से उसका कोई लेना-देना नहीं हैः पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कहा कि उसका 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से कोई लेना-देना नहीं है और वह एक कनाडाई नागरिक है तथा उसने लगभग दो दशकों से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। राणा का पाकिस्तान में 1961 में जन्म हुआ था और उसने पाकिस्तान आर्मी मेडिकल कोर में सेवाएं दी थीं और इसके बाद वह 1990 के दशक में कनाडा चला गया, जहां उसे नागरिकता दी गई। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने एक प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वह एक कनाडाई नागरिक है और हमारे रिकॉर्ड के अनुसार उसने दो दशकों से अधिक समय से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। प्रवक्ता ने हालांकि 'दस्तावेजों' का विवरण नहीं दिया, लेकिन ऐसे दस्तावेजों में अक्सर विदेशों में रह रहे पाकिस्तानियों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट शामिल होते हैं।

मोदी सरकार ने शुरू नहीं की राणा की प्रत्यर्पण प्रक्रिया, संप्रग के प्रयासों का उसे लाभ हुआः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार ने मुंबई हमले से जुड़े आतंकी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया न तो शुरू की थी और न ही उसने कोई नई सफलता हासिल की, बल्कि उसे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय हुए कूटनीतिक प्रयासों का लाभ हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक के कठिन कूटनीतिक, कानूनी और खुफिया प्रयासों का नतीजा है। चिदंबरम ने एक बयान में कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक तहव्वुर हुसैन राणा को 10 अप्रैल 2025 को भारत प्रत्यर्पित किया गया, जबकि मोदी सरकार इस घटनाक्रम का श्रेय लेने के लिए होड़ में लगी है, सच्चाई उनके दावों से कोसों दूर है। उनका कहना है कि यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक की कठिन, परिश्रमी और रणनीतिक कूटनीति का परिणाम है, जिसकी शुरुआत, अगुवाई और निरंतरता संप्रग सरकार ने अमेरिका के साथ समन्वय द्वारा सुनिश्चित की। उनके मुताबिक, इस दिशा में पहली बड़ी कार्रवाई 11 नवंबर 2009 को हुई, जब एनआईए ने नई दिल्ली में डेविड कोलमैन हेडली (अमेरिकी नागरिक), राणा (कनाडाई नागरिक) और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि उसी महीने कनाडा के विदेश मंत्री ने भारत के साथ खुफिया सहयोग की पुष्टि की, जो संप्रग सरकार की कुशल विदेश नीति का सीधा परिणाम था।

आयुष्मान भारत पीएम जन आयोग्य योजना से दिल्ली में 36 लाख लोग होंगे लाभान्वित: नड्डा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के अंतर्गत गुरुवार को आयुष्मान कार्ड वितरण की शुरुआत हो गयी। इस अवसर पर चयनित 30 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज गर्व का क्षण है कि एबी- पीएमजेएवाई से दिल्ली में 36 लाख लोग लाभान्वित होंगे। इस योजना के तहत 8.19 करोड़ लोग पहले ही उपचार का लाभ उठा चुके हैं और सरकार ने इसके लिए कुल मिलाकर 1.26 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आयुष्मान भारत योजना के परिणामस्वरूप जेब से होने वाला खर्च 62 प्रतिशत से घटकर 38 प्रतिशत हो गया है। नड्डा कहा कि दिल्ली सात साल तक एक काले अध्याय से गुजर रही थी, जब 30 लाख परिवार और 6 लाख लोग सात साल तक आयुष्मान योजना के अधिकार से वंचित थे। जब एक खराब सरकार सत्ता में होती है तो आपके अधिकारों का कैसे हनन होता है यह सोचने की जरूरत है। जब एक अच्छी सरकार सत्ता में आती है तो आपको 50 दिनों के भीतर अपने अधिकार मिलते हैं। तीन राज्यों ने आयुष्मान योजना को लागू करने से इनकार कर दिया था। पहला ओडिशा, जहां पिछली सरकार सत्ता से बाहर हो गई और फिर कमल खिल गया। दिल्ली में भी ऐसा ही हुआ। अब केवल पश्चिम बंगाल बचा है, वहां भी कमल खिलेगा और वर्तमान सरकार सत्ता से बाहर हो जाएगी।

> विकासपुरी की रहने वाली 52 वर्षीय लक्ष्मी देवी ने बताया कि वे लोगों के घरों में काम करके अपने बच्चों को अकेले पाल रही है। इस बीच उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याएं आईं लेकिन ऑपरेशन के लिए पच्चीस हजार रुपये नहीं होने के कारण अपना इलाज नहीं करवा पा रही थी। बच्चों के इलाज और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए अपने स्वास्थ्य को हमेशा पीछे रखा लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के आयुष्मान कार्ड से न केवल अपना बल्कि पूरे परिवार का इलाज हो सकेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार।

नड्डा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल कहते थे कि भाजपा को दिल्ली में सरकार बनाने के लिए पुनर्जन्म लेना पड़ेगा लेकिन हमने इसे इसी जन्म में पूरा कर लिया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य हमेशा से ही केंद्र सरकार की प्राथमिकता रही है। स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार और गुणवत्तापूर्ण तथा किफायती दवाइयों को आम जनता तक पहुंचाने के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा पोषण, योग, ध्यान आदि पर जोर दिया है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र पर दिए जा रहे जोर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए योजना अवधि के दौरान पीएम-एबीएचआईएम के तहत 1139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना, 11 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को मजबूत करने और 9 क्रिटिकल केयर ब्लॉक के लिए 1749 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

संक्षिप्त खबरें

असम में 24 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि असम में 24 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथामफेटामाइन गोलियों की भारी खेप के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने इसके लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), असम पुलिस और सीआरपीएफ के प्रयासों की सराहना की है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एक्स पर पोस्ट कर ड्रग कार्टेल की जानकारी देते हुए कहा कि मोदी सरकार पूरी ताकत से ड्रग कार्टेल को खत्म कर रही है। ड्रग-मुक्त भारत बनाने के हमारे विजन में, हमारी एजेंसियों ने ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया और असम में तीन लोगों को गिरफ्तार करते हुए 24.32 करोड़ रुपये मूल्य की 30.4 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। ड्रग्स के खिलाफ हमारा अभियान पूरी ताकत के साथ जारी रहेगा। इस बड़ी सफलता के लिए एनसीबी, असम पुलिस और सीआरपीएफ को बधाई।

इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट पर 46.44 करोड़ रुपये की कोकीन पकड़ी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट इंटेलिजेंस यूनिट (कस्टम विभाग) ने बीती रात 3.31 किलोग्राम कोकीन समेत एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से जब्त की गई कोकीन की कीमत 46.44 करोड़ रुपये बताई जा रही है।जांच में सामने आया कि आरोपी नौ अप्रैल को विमान नंबर जी9-463 से एंटेबे से वाया शारजाह होते हुए नई दिल्ली पहुंचा था। स्कैनर में जांच के दौरान उसके सामान में संदिग्ध चीज की मौजूदगी दर्ज की गई। जांच के दौरान उसके ब्रीफकेस से छह पैकेट में कोकीन बरामद हुआ। उसका कुल वजन 3.17 किलोग्राम है। उसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 14 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम है। कस्टम विभाग ने कोकीन को जब्त कर युवक को हिरासत ले लिया है। एनडीपीएस और सीमा शुल्क अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांदरबल में यूएपीए के तहत 3.47 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत गांदरबल में 3.47 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। 09 कनाल और 07 मरला की कृषि भूमि वाली यह संपत्ति तीन व्यक्तियों की है, जिन पर हथियार और गोला-बारूद का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से पाकिस्तान में घुसपैठ करने का आरोप है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई गांदरबल के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की माननीय अदालत के आदेशों के बाद यूएपीए की धारा 13 के तहत पुलिस स्टेशन खीरभवानी में दर्ज एफआईआर संख्या 48/2009 के संबंध में की गई। जिन व्यक्तियों की संपत्ति कुर्क की गई है उनमें फिरदौस अहमद वानी पुत्र स्वर्गीय गुलाम अहमद वानी निवासी ट्रीसा सफापोरा, मोहम्मद रमजान भट पुत्र बटपोरा निवासी गुलाम रसूल भट और पहिलीपोरा सफापोरा निवासी स्वर्गीय गुलाम रसूल गनी के बेटे मोहम्मद अयूब गनी शामिल हैं।

भाजपा नये वक्फ कानून को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करेगी

नई दिल्ली। भाजपा वक्फ (संशोधन) अधिनियम के फायदों का प्रचार करने और विपक्ष की आलोचना का मुकाबला करने के लिए 20 अप्रैल से एक पखवाड़े तक के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी जिसमें विशेष रूप से मुसलमानों को लक्षित किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने गुरुवार को पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। देश भर के भाजपा पदाधिकारियों ने यहां एक कार्यशाला में भाग लिया। इसमें नड्डा ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे वोट बैंक की राजनीति के तहत संशोधित कानून के प्रावधानों के बारे में मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। नड्डा ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार

वक्फ की संपत्तियों के पारदर्शी और कुशल प्रबंधन के साथ 'पसमांदा' (पिछड़े) मुसलमानों और महिलाओं को प्रबंधन और कल्याण कार्यक्रमों में हितधारक बनाने के लिए दृढ़ है। भाजपा शासित राज्यों के वक्फ बोर्डों के सदस्यों और पार्टी संगठन, जिसमें इसकी अल्पसंख्यक शाखा भी शामिल है, ने दिन भर की कार्यशाला में भाग लिया।

नड्डा ने कहा कि आठ अप्रैल को लागू हुआ नया कानून वक्फ संपत्तियों का उपयोग गरीब मुसलमानों और महिलाओं के कल्याण के लिए करने में मदद करेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू को स्लोवाकिया में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया

नाइट्रा (स्लोवाकिया)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुरुवार को यहां 'कॉन्स्टेंटाइन द फिलॉसफर' विश्वविद्यालय द्वारा 'सार्वजनिक सेवा में उनके विशिष्ट योगदान' के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति स्लोवाकिया और पुर्तगाल की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन सम्मान प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर पहुंचीं। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू को सार्वजनिक सेवा और शासन में उनके विशिष्ट योगदान, सामाजिक न्याय एवं समावेश की वकालत के लिए सम्मानित किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि मुर्मू ने शिक्षा, महिलाओं के सशक्तीकरण और सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया है।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वह भारत के 1.4 अरब

लोगों की ओर से सम्मान स्वीकार कर रही हैं।

मुर्मू ने कहा कि दार्शनिक सेंट कॉन्स्टेंटाइन सिरिल के नाम वाले संस्थान से मानद उपाधि प्राप्त करना विशेष रूप से मायने रखता है क्योंकि भाषा, शिक्षा और दर्शन में उनका विशिष्ट योगदान था। संथाली भाषा की सांस्कृतिक मान्यता सहित भारत की भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण के लिए काम करने वालीं मुर्मू ने कहा कि वह पहचान को आकार देने और ज्ञान को बढ़ावा देने में भाषा की शक्ति की सराहना करती हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत सशक्तीकरण बल्कि राष्ट्रीय विकास का भी साधन है।

भारत पर लगे अतिरिक्त शुल्क को नौ जुलाई तक टालने का आदेश जारीः अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने भारत पर लगाए गए अतिरिक्त सीमा शुल्क को इस साल नौ जुलाई तक स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया है। इस सरकारी आदेश के मुताबिक, भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसके पहले दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 60 देशों से आयातित उत्पादों पर शुल्क लगाने और भारत जैसे देशों पर अलग से उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप के इस कदम से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में झींगा से लेकर इस्पात उत्पादों तक की बिक्री प्रभावित होने का अंदेशा था। उनके इस कदम का उद्देश्य अमेरिका के बड़े व्यापार घाटे को कम करना और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था। अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जो थाइलैंड, वियतनाम और चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम है। शुल्क वृद्धि का यह आदेश नौ अप्रैल से प्रभावी हो गया था लेकिन ट्रंप ने अब इसे 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया है। हालांकि, शुल्क का यह निलंबन हांगकांग, मकाऊ के अलावा चीन पर लागू नहीं है। इसके साथ ही व्हाइट हाउस के आदेश में कहा गया है कि संबंधित देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत आधार शुल्क लागू रहेगा।

बैसाखी मनाने के लिए 6,700 से अधिक भारतीय सिख श्रद्धालु पाकिस्तान पहुंचे

लाहौर। बैसाखी मेले में भाग लेने और खालसा पंथ की स्थापना का उत्सव मनाने के लिए 6,700 से अधिक भारतीय सिख श्रद्धालु गुरुवार को वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान पहुंचे। बैसाखी सिखों के नए साल का प्रतीक है और 1699 में गुरु गोविंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ के गठन की याद दिलाता है। यह खालसा की 326वीं स्थापना वर्षगांठ होगी। मुख्य समारोह 14 अप्रैल को गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में आयोजित किया जाएगा। पाकिस्तान सरकार ने 50 वर्षों में पहली बार इस त्योहार के लिए भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,751 वीजा जारी किए हैं।

पाकिस्तान-भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौता, 1974 के तहत किसी भी धार्मिक त्योहार के लिए 3,000 सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान जाने की अनुमति है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने धार्मिक मामलों के मंत्रालय और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीजा दिए हैं। वाघा बॉर्डर चौकी पर पाकिस्तान के अंतरधार्मिक सद्भाव राज्य

मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एवं पंजाब के अल्पसंख्यक मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, ईटीपीबी के सचिव फरीद इकबाल और अतिरिक्त सचिव सैफुल्ला खोखर ने सिख श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

वाघा बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेता दलजीत सिंह सरना ने पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसने सिख समुदाय का दिल जीत लिया है। अमृतसर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और 11 अन्य भारतीय राज्यों से तीर्थयात्री पाकिस्तान पहुंचे हैं।

पंजाब के अल्पसंख्यक मंत्री अरोड़ा ने कहा कि इतिहास में पहली बार पाकिस्तान सरकार ने सिख तीर्थयात्रियों से प्राप्त सभी आवेदनों के लिए वीजा जारी किए हैं, जिससे सिख समुदाय की देश में अपने पवित्र स्थलों की यात्रा करने की लंबे समय की इच्छा पूरी हुई है।

शिरडी में भीख मांगने पर गिरफ्तार 51 लोगों में से 4 की अस्पताल में मौतः पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने गुरुवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में भीख मांगने के आरोप में गिरफ्तार 51 लोगों में से चार की एक अस्पताल में मौत हो गई है। पवार ने इन मौतों की गहन जांच कराने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। अहिल्यानगर के कर्जत-जामखेड विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'शिरडी में 51 लोगों को भीख मांगने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। तबीयत बिगड़ने पर उनमें से कुछ को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से चार की मौत हो गई। राकांपा (एसपी) विधायक ने दावा किया कि इन मरीजों के साथ कई अमानवीय कृत्य किए जाने की बात सामने आ रही है, जिसमें पानी न दिया जाना और एक कमरे में बंद रखा जाना शामिल है।

बिहार में बीते दो दिन में आकाशीय बिजली गिरने से 38 लोगों की मौत

पटना। बिहार में आसामानी आफत से बीते दो दिन में सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 38 लोगों की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। बीते बुधवार को जहां 13 लोगों की मौत हुई थी, वहीं गुरुवार को 25 लोगों की मौत हो गई है। इन मौतों पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

भीषण आंधी-पानी से गुरुवार को नालंदा में 18, आकाशीय बिजली से सीवान में 02, कटिहार में 01, दरभंगा में 01, बेगूसराय में 01, भागलपुर में 01 तथा जहानाबाद में 01 व्यक्ति की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और एलजी ने किया वजीराबाद में यमुना की सफाई का निरीक्षण

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को वजीराबाद स्थित पॉल्यूशन कंट्रोल सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में यमुना नदी की सफाई का जायजा लिया।

इस अवसर पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद रहे। दरअसल, दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के बाद भाजपा सरकार लगातार यमुना की सफाई को लेकर स्वच्छता अभियान चला रही है। इसी के चलते दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने वजीराबाद पॉल्यूशन कंट्रोल सेंटर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने वजीराबाद में नाले की सफाई के काम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा के अलावा दिल्ली सरकार के कई अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि अगर सही योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए तो इस जगह को पर्यटन स्थल में तब्दील किया जा सकता है। साथ ही सुबह और शाम के समय लोग वॉक करने के लिए भी यहां आ सकें, जिससे आसपास के इलाके के साथ पूरी दिल्ली के लोगों को भी फायदा होगा और यहां का वातावरण भी स्वच्छ होगा। बता दें कि दिल्ली सरकार ने बीते महीने पेश किए बजट में यमुना की सफाई के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि स्वच्छता और साफ पानी दिल्ली की पहचान बनेगी। यमुना नदी की सफाई और सीवेज सिस्टम के सुधार के लिए यह बजट पुरानी सरकारों की तुलना में तिगुना है। पुराने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 500 करोड़ रुपये की लागत से सुधारने की योजना बनाई गई है।

इससे पहले यह भी जानकारी सामने आई थी कि दिल्ली में यमुना नदी की सफाई को लेकर जल शक्ति मंत्रालय मिशन मोड पर काम कर रहा है। सफाई के लिए विशेषज्ञों से राय ली गई है। मंत्रालय का फोकस दो चरणीय दृष्टिकोण पर है, जिसमें यमुना की सफाई और रिवरफ्रंट बनाना शामिल है। सूत्रों के अनुसार, यमुना की सफाई और रिवरफ्रंट बनाने का यमुना मास्टर प्लान अपने अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की संभावना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद ही रेखा गुप्ता अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ यमुना तट पर स्थित वासुदेव घाट पहुंची थीं, जहां उन्होंने यमुना आरती की थी।

आयुष्मान कार्ड देकर भाजपा ने अपना संकल्प पूरा किया : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पहले आयुष्मान कार्ड जारी होने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान कार्ड देकर भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का सबसे बड़ा संकल्प पूरा किया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आज केंद्र सरकार एवं दिल्ली सरकार के बीच समझौते के साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली वालों को 30 आयुष्मान कार्ड देकर शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इस आयुष्मान भारत योजना का लाभ जल्द ही दिल्ली के 30 लाख निम्न आय वर्ग के लोगों के साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के लगभग छह लाख बुजुर्गों तक पहुंचेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आयुष्मान कार्ड के लाभार्थी यहां दिल्ली सरकार के पांच लाख रुपये के टापअप के साथ दस लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा मंडल स्तर पर आयुष्मान कार्ड जारी करवाने के लिए दिल्ली के लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएगी।

दिल्ली में बिजली कटौती पर 'आप' ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने गुरुवार सुबह ट्वीट कर कहा कि कल रात दिल्लीवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जगह-जगह पर लंबे बिजली कट लगे। मुझे पूरी रात दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से कॉल और मैसेज आते रहे। लोग बहुत परेशान हैं, लेकिन दिल्ली की भाजपा सरकार सो रही है। बिजली संकट के चलते राजधानी के कई इलाकों में लोग गर्मी और उमस से बेहाल रहे। कई जगहों पर घंटों बिजली नहीं थी जिससे लोगों की नींद भी हराम हो गई। आतिशी के अनुसार, यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि मौजूदा सरकार बिजली आपूर्ति व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कल दिल्ली में पीक डिमांड 5462 मेगावॉट थी, और इतनी कम डिमांड पर भी राजधानी के कई इलाकों में कई घंटे

बिजली नहीं आई। जबकि पिछले साल हमारी सरकार के दौरान पीक डिमांड 8500 मेगावॉट तक पहुंच गई थी, तब भी बिजली कटौती नहीं हुई थी। केजरीवाल ने चेतावनी दी कि आने वाले हफ्तों में तापमान और बिजली की मांग और बढ़ेगी, ऐसे में अगर अभी से हालात नहीं सुधारे गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में हमने दिल्ली की बिजली व्यवस्था को बड़ी मेहनत से सुधारा था। लेकिन जैसा कि कहा जाता है, किसी भी चीज को बनाने में सालों लगते हैं, और उसे बर्बाद करने में सिर्फ कुछ दिन। आप नेताओं का आरोप है कि भाजपा शासित एलजी प्रशासन राजधानी की मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रहा, जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पार्टी ने जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

सीबीएसई ने दिया 17 अप्रैल तक छात्रों के विवरण में सुधार का मौका

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों के विवरण में सुधार का मौका दिया है। यह सुधार 17 अप्रैल तक किया जा सकता है। इसे सीबीएसई से संबद्ध स्कूल अपने छात्रों के विवरण में आवश्यक संशोधन कर सकते हैं। सीबीएसई के अनुसार, प्रत्येक सुधार अनुरोध के लिए प्रति छात्र को 1 हजार रुपए का भुगतान करना होगा। इसे संबंधित क्षेत्रीय सीबीएसई कार्यालयों में जमा करना होगा। यह सुविधा केवल नियमित उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध है। सीबीएसई का कहना है कि अभ्यर्थी माता-पिता के नामों में सुधार, फोटोग्राफ में सुधार, बोर्ड के नियमों और वैध दस्तावेजों के अनुसार जन्म तिथि में सुधार, एकल संतान स्थिति क्षेत्र में अपडेट, लिंग गलत लिख जाने पर सुधार कर सकते हैं। बोर्ड ने कहा है कि अभ्यर्थी के माता-पिता के नामों के मामले में, केवल मामूली संशोधन स्वीकार किए जाएंगे किसी बड़े बदलाव या पूर्ण नाम में परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस सुधार प्रक्रिया के तहत श्रेणी में परिवर्तन, जैसे सामान्य से ओबीसी में परिवर्तन, की अनुमति नहीं है। बोर्ड ने स्कूल प्रशासन से आग्रह किया है कि वे डेटा जमा करते समय सटीकता सुनिश्चित करें ताकि अंतिम समय में अनुरोध और विसंगतियों से बचा जा सके। वर्तमान सुधार विंडो का उद्देश्य डेटा त्रुटियों को ठीक करना जिससे छात्रों के परिणामों और आधिकारिक दस्तावेजों में किसी तरह की गलती न हो। इस बारे में विस्तृत जानकारी व सीबीएसई की अधिसूचना सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट https://www.cbse.gov.in पर उपलब्ध है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो कुख्यात स्नैचर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो कुख्यात स्नैचरों को गिरफ्तार किया। दोनों स्नैचरों की पहचान गोलू उर्फ भोलू और अरुण उर्फ छोटा लुंगी के रुप में हुई, जो दिल्ली के मंगोलपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। इन दोनों स्नैचरों पर दिल्ली के विभिन्न जिलों में स्नैचिंग, डकैती और मोटरसाइकिल चोरी के करीब 25 मामलों में शामिल होने का आरोप है। क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-1 की टीम ने एसीपी यशपाल सिंह की निगरानी में इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एसआई संजय, एएसआई विनय त्यागी, हेड कांस्टेबल मेहताब, मोहित, तरुण, कांस्टेबल दीपक और महिला कांस्टेबल अनुप्रिया शामिल थे। इस टीम ने मानव खुफिया और तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल कर दोनों आरोपियों की पहचान गोलू उर्फ भोलू और अरुण उर्फ छोटा लुंगी के रूप में की।

दिल्ली के महापौर ने उपयोगकर्ता शुल्क के मामले पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर महेश कुमार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उपयोगकर्ता शुल्क लगाने के फैसले पर आपत्ति जताई है और इसे जनता पर अनावश्यक बोझ बताया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उपयोगकर्ता शुल्क लगाने को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

महापौर ने कहा कि गृह कर के साथ उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने का प्रस्ताव एमसीडी ने कभी पारित ही नहीं किया। उन्होंने पत्र में कहा, ृयह प्रस्ताव सदन के समक्ष पेश नहीं किया गया और इसके बजाय नगर आयुक्त अश्विनी कुमार ने गुपचुप तरीके से इसे लागू किया। यह फैसला दिल्ली के निवासियों के हितों के खिलाफ है। कुमार ने कहा कि उपयोगकर्ता शुल्क लगाने से पहले एमसीडी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों को घर-घर सेवाएं प्रदान की जाएं।

उन्होंने कहा कि सभी 12 जोन में कचरा संग्रहण कंपनियों का काम असंतोषजनक है, जिसके परिणामस्वरूप हर जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। महापौर ने कहा कि फिलहाल पश्चिमी जोन, मध्य जोन और दक्षिणी जोन में स्थिति बदतर है। उन्होंने कहा कि 60 से 70 प्रतिशत कूड़ा निजी सेवाओं के माध्यम से इकट्ठा किया जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक दिल्ली नगर निगम हर घर से कूड़ा इकट्ठा करने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो जाता, तब तक इस तरह के उपयोगकर्ता शुल्क लगाना उचित नहीं होगा। महापौर ने गुप्ता से एमसीडी को तुरंत यह निर्णय वापस लेने का निर्देश देने का आग्रह किया।

आशीष सूद ने पंखा रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया

नाले की सफाई और कूड़ा घरों के पास हरित क्षेत्र बनाने का निर्देश दिया

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा और गृह मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को अपनी विधानसभा जनकपुरी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पंखा रोड के आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान यहां की समस्याओं के समाधान के लिए यातायात पुलिस, बीएसईएस, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में तालमेल कर इन सब कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। मंत्री ने पंखा रोड स्थित बड़े नाले की सफाई के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नाले की नियमित साफ-सफाई के लिए कार्य योजना बना कर एक हफ्ते में प्रस्तुत करें। पंखा रोड पर सी 1 और चाणक्य प्लेस के पास दो बड़े कूड़ा घर भी हैं। जो

बिल्कुल रोड के किनारे हैं और यहां पर कूड़े के अंबार लगे हुए हैं, जिससे यहां आने जाने वाले लोगों को बदबू, गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मंत्री ने पंखा रोड़ पर सी 1 और चाणक्य प्लेस के कूड़ा घरों के आसपास हरित क्षेत्र बनाने, स्टील की ग्रिल लगाने, कूड़े को नियमित आधार पर उठाने के लिए नगर निगम और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पंखा रोड नाले के ऊपर से जा रही बिजली की तारों को भूमिगत करने के लिए बीएसईएस के अधिकारियों को निर्देश दिया। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के इंजीनियर ने मंत्री को बताया कि इन दोनों कूड़ा घरों के साथ की जमीन के नीचे पाइपलाइन डालने की भी योजना है। इससे बरसात के दिनों में सड़क पर बहने वाला पानी इन से होकर नाले में चला जाएगा। सूद ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को दोनों कूड़ा घरों के साथ की सड़क के किनारे एक दीवार बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने मंत्री से पंखा रोड के नाले के आसपास अवैध रूप से वाहन खड़े होने की शिकायत की।

मंत्री ने मौके पर ही यातायात पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों को बुलाकर नियमित आधार पर यहां पर गश्त करने और वाहनों का चालान करने का निर्देश दिया। उन्होंने यातायात पुलिस निरीक्षक को एक सप्ताह के भीतर अवैध पार्किंग की समस्या के लिए ठोस योजना बनाकर उनके समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने देखा कि पंखा रोड पर चाणक्य प्लेस 20 फुटा रोड और सीतापुरी के प्रवेश गेट काफी जर्जर हालत में हैं। उन्होंने तुरंत लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आदेश दिए कि वह इन दोनों एंट्री गेट को तुरंत प्रभाव से ठीक कराएं।

सरकारी स्कूलों में प्राइमरी तक के दाखिले शुरू

इन कक्षाओं में पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश मिलेगा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत प्री-प्राइमरी और प्राइमरी कक्षा की खाली सीटों के लिए दाखिले शुरू हो गए हैं। अभिभावक अपने बच्चों के दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। बुधवार से सभी सरकारी सर्वोदय विद्यालयों में प्री-प्राइमरी और प्राइमरी कक्षाओं में रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश शुरू हो गए हैं। शिक्षा निदेशालय ने इसके लिए परिपत्र जारी किया है। इसमें बताया है कि इन कक्षाओं में रिक्त सीटों की स्थिति स्कूल में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करनी है।

नर्सरी और प्राइमरी सेक्शन की

अधिकतम क्षमता 40 छात्रों की है। निदेशालय ने बताया है कि वर्तमान सत्र के लिए लंबे समय से अनुपस्थित छात्रों की सीटें, जब तक कि छात्र को किसी अन्य स्कूल में दाखिला नहीं मिल जाता (दस्तावेज प्रमाण के साथ) खाली नहीं मानी जाएंगी। वहीं, स्कूल के एक किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बच्चे (यदि आसपास सर्वोदय विद्यालय उपलब्ध नहीं है, तो स्कूल के तीन किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निवासी) आवेदन करने के पात्र होंगे। यदि किसी बच्चे के निवास से तीन किलोमीटर के भीतर भी सर्वोदय विद्यालय उपलब्ध नहीं है, तो वह अपने निवास के नजदीक स्थित सर्वोदय विद्यालय में आवेदन करने के लिए पात्र होगा। निदेशालय ने कहा कि प्रधानाचार्य उन छात्रों को दाखिले देने में प्राथमिकता दें, जिन्होंने सर्वोदय विद्यालयों से स्थानांतरण के आधार पर प्रवेश के लिए आवेदन किया है।

मामूली विवाद में धारदार हथियार से हमला, दो घायल

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में मामूली विवाद में धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में पीड़ित जीजा-साला घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

श्री राम कॉलोनी निवासी चांद ने बताया कि वह मूल रूप से गाजियाबाद के लोनी का रहने वाला है। दिल्ली में वह रंगाई पुताई का काम करता है। पीड़ित ने बताया कि मुन्ना पंजाबी ने 31 मार्च को कुछ दिन के लिए उससे मोबाइल फोन लिया था।

चार अप्रैल को पीड़ित अपने जीजा आसिफ के साथ मुन्ना के घर अपना मोबाइल फोन लेने गया तो उसने मना कर दिया। इस दौरान उनके बीच बहस हो गई। आरोपी ने पीड़ित पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मुन्ना के भाई गोलू ने पीड़ित के जीजा आसिफ पर लोहे की रॉड से वार करके उसे घायल कर दिया। सूचना के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बर्फीली वादियों में दौड़ेगी वंदे भारत

कश्मीर के लिए शुरू होगी विशेष ट्रेन सेवा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। श्रीनगर जम्मू-कश्मीर की वादियों में अब वंदे भारत एक्सप्रेस की गूंज सुनाई देगी। अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की बहार के बीच अब यात्री कश्मीर घाटी की बर्फीली चोटियों, फूलों से लदे सेब के पेड़ों और हरे-भरे मैदानों का आनंद वंदे भारत ट्रेन में बैठकर उठा सकेंगे। यह ट्रेन तकनीक और प्रकृति के अद्भुत संगम का अनुभव कराएगी।

'मेक इन इंडिया' के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में निर्मित इस वंदे भारत एक्सप्रेस को विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर की कठिन भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया गया है। ट्रेन आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जिससे अब हर मौसम में घाटी तक रेल संपर्क संभव हो सकेगा।

शून्य से नीचे तापमान में भी यह ट्रेन पूरी तरह से कार्यक्षम रहेगी। ट्रेन में सिलिकॉन हीटिंग पैड, हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइन, और ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो पानी के जमने की समस्या को रोकेंगे और संचालन को बाधित नहीं होने देंगे।

सर्द मौसम में ड्राइवर की सुरक्षा के लिए फ्रंट लुकआउट ग्लास में एंबेडेड हीटिंग एलिमेंट लगाए गए हैं, जिससे विंडशील्ड साफ रहेगी। साथ ही एंटी-स्पॉल लेयर और विशेष वर्क एनवायरनमेंट की मदद से सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया गया है।

ट्रेन में एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग, 5 kVA ट्रांसफॉर्मर, और HVAC सिस्टम जैसे फीचर्स हैं, जो ठंडे मौसम में भी यात्रियों को आरामदायक सफर देंगे। साथ ही, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम, और सीसीटीवी जैसी आधुनिक सुविधाएँ भी यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएंगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत कश्मीर घाटी में पर्यटन को नया आयाम देगी। यह सेवा न केवल यात्रियों को सभी मौसमों में निर्बाध कनेक्टिविटी देगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारतीय रेल की इस पहल से न केवल तकनीकी दक्षता का प्रमाण मिलेगा, बल्कि कश्मीर जैसे संवेदनशील और कठिन क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी से देश के एकीकरण को भी मजबूती मिलेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस अब हर भारतीय के गर्व और प्रगति का प्रतीक बनकर हिमालय की वादियों में दौड़ेगी।

आईपीयू में दीक्षांत आज, 24 हजार से अधिक छात्रों को मिलेगी डिग्री

नई दिल्ली। प्रमुख संवाददाता गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) का 17 वां दीक्षांत समारोह 11 अप्रैल को द्वारका कैंपस में आयोजित किया जाएगा। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन कुमार के अनुसार स्नातक से पीएचडी तक के कुल 24,456 छात्रों को इस अवसर पर डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दीक्षांत समारोह में 110 छात्रों को पीएचडी, 12 को एमफिल, 2,624 को परास्नातक, 20,739 को स्नातक, 483 को एमबीबीएस, 488 को एमडी, एमएस एवं आयुर्वेद वाचस्पति की डिग्री दी जाएगी। प्रो. कुमार ने बताया कि इनमें से 74 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलसचिव रहे डॉ. बी. पी. जोशी की स्मृति में दिया जाने वाला एक स्वर्ण पदक भी इसमें शामिल है। इस बार सिद्धार्थ खिटोलिया अवार्ड के अलावा अशोक साहनी एवं सुमन साहनी अवार्ड क्रमशः टेक्नोलॉजी एवं मेडिसिन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दो छात्रों को दिया जाएगा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना करेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उच्च शिक्षा मंत्री आशीष सूद सहित अन्य गणमान्य लोग हिस्सा लेंगे। इस दीक्षांत समारोह में इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष शर्मा दीक्षांत भाषण देंगे।

दिल्ली-एनसीआर में अचानक बदला मौसम का मिजाज, तापमान में गिरावट

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। बढ़ते तापमान के बीच पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज गुरुवार शाम को अचानक बदल गया। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया। तापमान भी गिर गया।

मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि शुक्रवार को भी आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। बहुत हल्की बारिश फुहारें पड़ सकती हैं। गरज-चमक के साथ तेज सतही हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इसके साथ शनिवार को आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। बहुत हल्की बारिश फुहारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 35 से 37

डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह दक्षिण-पूर्व दिशा से 8-12 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलेंगी, जो दोपहर में घटकर 6-8 किमी प्रति घंटा रह जाएंगी।

शाम और रात में हवाओं की गति फिर से बढ़कर 14 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। रविवार के दिन आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

महंगे ईंधन की मार

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय-समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक श्रृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ-हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर-सवेर सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे-बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई श्रृंखला पैदा हो जाती है। माल-भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है।

नकली/मिलावटी दूध का खेल

भारत जैसे देश में दूध का प्राथमिक स्रोत भैंसें और गायें ही हैं, लेकिन बीते कुछ दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों में भी पशु पालने का रुझान लगभग आधा रह गया है। शहरों में तो पशु आज के समय कोई पालना ही नहीं चाहते हैं। दरअसल, इसके पीछे कारण स्पष्ट हैं। मसलन, आज हर चीज में महंगाई बढ़ी है, बढ़ती आबादी के बीच शहरों ही नहीं ग्रामीण परिवेश में भी आज के समय कोई पशुपालन नहीं करना चाहते। पशुओं के साथ चारे की कीमतों में भी अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। पशुओं के लिए इलाज सुविधाओं का अभाव है। पशुपालन के लिए कम आय भी आम आदमी का पशुपालन से मुंह मोड़ रहा है। आधुनिकता और बदलती जीवनशैली का प्रभाव पशुपालन पर कहीं न कहीं पड़ा है और पशुपालन के प्रति पहले की तुलना में रूझान काफी घटा है। आज आये दिन हम मीडिया की सुर्खियों में यह पढ़ते सुनते हैं कि फलां-फलां स्थान पर नकली व मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों की भारी मात्रा में बरामदगी हुई। आज दूध व दूध से बने पदार्थों/उत्पादों के नमूने फेल हो रहे हैं। सच तो यह है कि ऐसी खबरें (मिलावटी व नकली दूध की खबरें) दूध उत्पादन में वृद्धि पर कहीं न कहीं सवालिया निशान लगाती हैं। आज पशु कहीं पर दिखाई नहीं देते, फिर भी दूध, पनीर, दही तथा दूध से बने अनेक उत्पाद बाजारों, माल्स आदि में धड़ल्ले से उपलब्ध हैं, जो कि काफी चिंताजनक है।

अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य को चंपत !

- सुनील कुमार महला

दूध सदियों सदियों से हमारी सनातन भारतीय संस्कृति और खान-पान का बहुत ही अहम हिस्सा रहा है। वास्तव में दूध शुद्धता और पोषण का प्रतीक रहा है। इसीलिए हमारी सनातन संस्कृति में दूध को 'अमृत' की संज्ञा दी गई है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार दूध उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का नंबर-1 देश है और वैश्विक दूध उत्पादन में भारत का योगदान 24.64% है। पीआईबी पर उपलब्ध एक जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान देश में कुल दूध उत्पादन 230.58 मिलियन टन था और इसी अवधि में प्रति व्यक्ति उपलब्धता 459 ग्राम प्रति दिन थी। एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत का दूध उत्पादन वर्ष 2023-24 में 4% बढ़कर 239.3 मिलियन टन हो गया है, लेकिन बावजूद इन सबके आज यह एक बहुत बड़ी विडंबना ही है कि दूध में मिलावट है। देश में आए दिन नकली दूध मिलने के अनेक मामले सामने आ रहें हैं।

आज अधिक कमाई के लालच में दूध में मिलावट कर मानव स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लगभग सात-आठ साल पहले मीडिया के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि देश में बिकने वाला 67.7 फीसदी दूध मिलावटी है। इसके पीछे उस समय तर्क यह दिया गया था कि देश में दूध का उत्पादन 14 करोड़ और खपत 64 करोड़ लीटर है। पिछले ही साल यानी कि वर्ष 2024 में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि देश में नकली दूध बनाने का कारोबार चल रहा है। उस समय दैनिक ने जानकारी दी थी कि मिलावटी दूध के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में सामने आए हैं। वास्तव में सच तो यह है कि उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक कई राज्य ऐसे हैं जहां नकली दूध बनाने का कारोबार और बेचने का कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2023-24 में यूपी में 16 हजार से ज्यादा दूध के सैंपल पॉजिटिव पाए गए थे। इसी तरह से तमिलनाडु में 2200 से ज्यादा मामले जबकि केरल में 1300 सैंपल पॉजिटिव पाए गए थे। इतना ही नहीं, बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और मध्यप्रदेश में भी लगातार मिलावटी और नकली दूध के मामले पकड़े गए। गौरतलब है कि देश भर में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में पंजाब सबसे आगे है, लेकिन इसके बावजूद राज्य में नकली दूध की समस्या आज भी उतनी ही गंभीर बनी हुई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि देश के सिर्फ पांच राज्य, जिनमें क्रमशः राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश शामिल हैं, 52% दूध का उत्पादन करते हैं। राजस्थान दूध उत्पादन के मामले में काफी आगे है, क्यों कि यहां पर अधिक संख्या में पशुपालन किया जाता है। नाबार्ड के वर्ष 2023 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश में कुल उत्पादित होने वाले दूध उत्पादन में से राजस्थान 15.05% का उत्पादन करता है, जबकि दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है, जहां कुल 14.93% दूध का उत्पादन होता है। तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 8.06% दूध का उत्पादन होता है। इसके बाद चौथे स्थान पर गुजरात है, जहां 7.56% दूध का उत्पादन होता है। पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है, जहां 6.97% दूध का उत्पादन किया जाता है।

बहरहाल, क्या यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील बात नहीं है कि भारत में दूध का जितना उत्पीदन नहीं होता, उससे ज्यांदा दूध की खपत होती है? वास्तव में एक कटु सत्य तो यह है कि आज हम दूध में मिलावट के दौर से नकली दूध के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। आज दूध में यूरिया, डिटर्जेंट और विभिन्न खतरनाक रासायनिक पदार्थों की मिलावट की जा रही है। इतना ही नहीं, नकली दूध बनाने में कास्टिक सोडा, सफेद पेंट, हाईड्रोपेरॉक्साइड, वनस्पति तेल, फर्टिलाइजर जैसे घातक पदार्थों का इस्तेमाल होता है। ये सभी पदार्थ मानवीय स्वास्थ्य के लिए घातक हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोगों के कारक हैं। आज देश में मिल रहे दूध व दूध से जुड़े 80 से 90% उत्पाद मिलावटी हैं। पाठकों को बताता चलूं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि है कि अगर भारत के दुग्ध उत्पादों की जांच नहीं की गई तो इस वर्ष यानी कि 2025 तक 87% भारतीय घातक बीमारियों जैसे कैंसर आदि के शिकार हो सकते हैं। विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 89.2% दुग्ध उत्पादों में किसी न किसी तरह की मिलावट पाई है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि साल 2019 में, देश में कुल दुधारू पशुओं की संख्या 125.34 मिलियन थी। इनमें भी गायों की संख्या 14 करोड़ 51.2 लाख और भैंसों की संख्या 109.85 मिलियन थी, लेकिन आज एक ओर जहां भैंसों की संख्या में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर दूध उत्पादन में इजाफा हुआ है। आज आबादी (मानव) बढ़ रही है, पशुओं की संख्या लगातार घट रही है और दूध उत्पादन बढ़ रहा है, यह हर किसी को विस्मय में ही डालता है। पशुधन (भैंसों) की संख्या में कमी के बावजूद दूध उत्पादन में वृद्धि क्या आश्चर्यजनक बात नहीं है?

उल्लेखनीय है कि भारत जैसे देश में दूध का प्राथमिक स्रोत भैंसें और गायें ही हैं, लेकिन बीते कुछ दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों में भी पशु पालने का रुझान लगभग आधा रह गया है। शहरों में तो पशु आज के समय कोई पालना ही नहीं चाहते हैं। दरअसल, इसके पीछे कारण स्पष्ट हैं। मसलन, आज हर चीज में महंगाई बढ़ी है, बढ़ती आबादी के बीच शहरों ही नहीं ग्रामीण परिवेश में भी आज के समय कोई पशुपालन नहीं करना चाहते। पशुओं के साथ चारे की कीमतों में भी अभूतपूर्व इजाफा हुआ है। पशुओं के लिए इलाज सुविधाओं का अभाव है। पशुपालन के लिए कम आय भी आम आदमी का पशुपालन से मुंह मोड़ रहा है। आधुनिकता और बदलती जीवनशैली का प्रभाव पशुपालन पर कहीं न कहीं पड़ा है और पशुपालन के प्रति पहले की तुलना में रूझान काफी घटा है। आज आये दिन हम मीडिया की सुर्खियों में यह पढ़ते सुनते हैं कि फलां-फलां स्थान पर नकली व मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों की भारी मात्रा में बरामदगी हुई। आज दूध व दूध से बने पदार्थों/उत्पादों के नमूने फेल हो रहे हैं। सच तो यह है कि ऐसी खबरें (मिलावटी व नकली दूध की खबरें) दूध उत्पादन में वृद्धि पर कहीं न कहीं सवालिया निशान लगाती हैं। आज पशु कहीं पर दिखाई नहीं देते, फिर भी दूध, पनीर, दही तथा दूध से बने अनेक उत्पाद बाजारों, माल्स आदि में धड़ल्ले से उपलब्ध हैं, जो कि काफी चिंताजनक है। बहरहाल, यह बात ठीक है कि पशुपालन, भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के बाद अहम क्षेत्र है, लेकिन सच तो यह है कि आज पशुपालन के प्रति पहले सी रूचि नहीं रही है, जिसके कारणों के बारे में इस आलेख में आप पाठकों को पहले ही अवगत कराया जा चुका है। आज से पच्चीस तीस साल पहले विशेकर ग्रामीण परिवेश में पशुपालन लोगों का शौक था, दूध देने वाले पशु घर-परिवार, आंगन की शोभा बढ़ाते थे और उन्हें परिवार का अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। आज पहले सी बात नहीं रही, हम आधुनिक हो चलें हैं। आज हमें सबकुछ पैकिंग में चाहिए, दूध भी आज पैकिंग की वस्तु हो चली है, हमारे पास पशुपालन का समय नहीं बचा है, जैसा कि आधुनिकता की दौड़ में हम अंधे हो चुके हैं। न हमें अपने स्वास्थ्य का ख्याल रहा है, और न ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहलाने वाले पशुपालन का ही।

आज दूध व्यवसाय तो बना है, दूध घरेलू इस्तेमाल से व्यवसाय तक आया है, वर्गीज कुरियन हमारे देश के 'मिल्कमैन' कहे जाते हैं। उनके नेतृत्व में भारत दूध उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुआ, देश में पहले की भांति (प्राचीनकाल की भांति) दूध की नदियां बहने लगीं, लेकिन आज समय के साथ दूध के व्यवसाय में मिलावटी व नकली दूध का बोलबाला हो चुका है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं ठहराया जा सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज जरूरत इस बात की है कि सरकारें व भारतीय किसान न केवल दूध उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दें, बल्कि पशुपालन को सुदृढ़ करें और पशुओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को पुर्नजीवित करें, क्यों कि हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है और पशुपालन हमारी रीढ़ है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि खेती के साथ पशुपालन हमारी आजीविका का एक प्रमुख जरिया है। नकली और मिलावटी दूध आज हमारे देश, हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर भी एक कड़ा प्रहार है।

आधुनिकता की चकाचोंध में स्वार्थी व आत्मकेंदित होता इन्सान ?

- नरेन्द्र भारती

आधुनिकता की चकाचैंध मे आदमी इतना व्यस्त हो गया है कि उसे दूसरों के बारे में सोचने का समय ही नहीं है, कि कौन मर रहा है और कौन जी रहा है। एक समय था कि आदमी ही आदमी के काम आता था मगर आज ऐसी हवा चल पड़ी है कि कोई किसी का नहीं है। हर इन्सान मौकापरस्त हो गया है काम निकल जाने पर पहचानने से इन्कार करता है। आज अच्छा करने वाले कम तो बुरा करने वाले अधिक है। जरुरतमंद इन्सान की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है मगर आज लोगों के पास अनैतिक व अवैध कार्यों के लिए समय है मगर एक मजबूर व लाचार की सहायता के लिए समय नहीं है।

कुछ दोहरे चरित्र के लोग जो समाजसेवक का चोला ओढ़ते है और समाज के हितैषी बनने का ढौग रचते है अपने काम कि लिए तो साम, दाम दंड, भेद की नीतियां अपनाते है मगर दूसरों के कामों के लिए समय नहीं है। रिश्वत व अवैध कार्य करके अपने बच्चों काम करवा रहे है जबकि एक प्रतिभावान पिछड़ रहा है। आज इन्सान स्वार्थी व आत्मकेंद्रित होता जा रहा है वह अपने घर तक ही सीमित होकर रह गया है। कहते है कि किसी का अच्छा करने के लिए बड़ा दिल होना चाहिए। आज कोई किसी को अच्छी सलाह तक देने से गुरेज करता है। आज का इन्सान खुदगर्ज बनता जा रहा है, आज एक गरीब व प्रतिभासम्पन्न आदमी की कोई कद्र नहीं है। आज के आधुनिक इंसानों में संवेदनाएं मरती जा रही है और संवेदनहीनताएं बढ़ती जा रही है। इंसान माया के जाल में इतना उलझा हुआ है कि उसके आगे इंसान को बौना समझता है। इस माया के तराजू पर रिशते तोले जा रहे है। माया के लिए न तो समाज की परवाह है और नही भगवान का डर है। आज माया के कारण रिश्ते टूटते जा रहे है। मगर कहते है कि रिश्ते अगर एक बार टूट जाए और बाद में मिल भी जाए तो दरारें कभी नहीं भरती।

माया के कारण इंसान अंधा होता जा रहा है और अपना विवेक खो चुका है। माया इकठठी करने के चक्कर में आज आदमी इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिए समय नहीं है। यह घटिया किस्म के माया के भूखे लोग एक दिन भूखे ही मर जाएगें। पैसे से बड़ा चरित्र होता है मगर माया के अन्धे लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं होता। विडबंना देखिए कि आज मानव माया को ही सब कुछ मान बैठा है। कुछ तथाकथित अमीर आज मजदूरों की कमाई से महल बना रहे है मगर जिस दिन यह मजदूरों का पसीना अपना रंग दिखाएगा महल धराशायी हो जाएगें। मजदूरों को उनकी मेहनत का पुरा पैसा नहीं मिलता है धन्नासेठ बने लोग मजदूरों की गाढ़ी कमाई से ऐश कर रहे है मगर कहते है जो मजदूरों का हक मारता है ईश्वर उसे जरुर सजा देता है। मजदूरों की पसीने की कमाई से अपने बच्चों को हाई-फाई स्कूलों पढ़ा रहे है और मजदूरों के बच्चे तरस रहे है। आज ऐसे लोग जो कभी रोटियों को तरसते थे आज यही तथाकथित व माया के कारण अन्धे हुए अमीर लोग ऐसे इतराते है जैसे कुबेर के खानदानी हैं। आज मानव इंटरनैट की दुनिया में मस्त है। चौबीस घंटों मोबाइल से खेल रहा है।

संवेदनहीनता की हदें पार होती जा रही है कुछ तथाकथित लोग लक्ष्मण रेखा लांघ रहे हैं शमशान घाट पर भी फेसबुक पर व्यस्त रहते है पिछले दिनों एक नौजवान की असमसयिक मौत हो गई। रात का समय था श्मशान घाट में शवयात्रा में शामिल हुए वहां पर कुछ युवक तीन-चार घंटे मोबाईल पर मस्त रहे उनमें जरा भी संवेदना नहीं थी कि एक नौजवान की मौत हुई हैं। कुछ दिन पहले बीमारी से एक महिला की मौत हो गई अभी उसकी मौत को दो दिन नही बीते थे की तीसरे दिन महिला के पड़ोस में एक शादी हो गई। शादी वालों ने जोर-जोर से डीजे लगाया उनमें जरा भी संवेदना नहीं कि घर के सामने किसी की मौत हुई है और वह नाच गाने में मस्त है। खुशी में मस्त लोगों को सोचना चाहिए कि अगर कल को उनके घर में ऐसा मातम छा जाए और पडोसी ऐसा करे तो उनके दिल पर क्या गुजरेगी। ऐसा नहीं करना चाहिए समय-समय पर समाज में ऐसे उदाहरण मिलते रहतें है। आज लोग अन्न की बरबादी कर रहे हैं। आज पता नहीं कितने ही लोग भूखे मर रहे है। अन्न की बरबादी से तो अच्छा है कि किसी भूखे को दे दिया जाए। आज शहरों से लेकर गांव की नालियों में जूठन बहती है। आज लोग चंद स्वार्थों के लिए असभ्य व गंदे लोगों का साथ देते है। आदमी पैसे के पीछे ऐसे भाग रहा है कि बच्चों के लिए समय नहीं है छोटे-छोटे नवजात बच्चों को आया के पास छोड़ देते है और खुद पैसा कमाने चले जाते है बच्चों को क्रेचों में भेज दिया जाता है। पैसा कमाने के चक्कर में बच्चों की परवाह नहीं है। आज बच्चों को मां-बाप का प्यार नहीं मिल रहा है।

माया के कारण आज आदमी इतना मस्त है कि बीमार बाप को दवाई लाने व अस्पताल ले जाने का समय नहीं है अरे जिन माता- पिता ने संसार दिखाया आज उन्ही के लिए समय नहीं है ऐसे औलादें इन्सान नहीं राक्षस हैं। आज बुजुर्ग दाने-दाने का मोहताज है। कलयुगी श्रवणों का बोलबाला है। आज संतानें मां-बाप को वृद्ध आश्रमों में भेज रही हैं। शायद यह बुजुर्गों का दुर्भागय है कि जिन बच्चें की खातिर भूखे प्यासे रहे, पेट काटकर जिन्हे सफलता दिलवाई आज वही संतानें घातक सिद्व हो रही हैं। मां-बाप दस बच्चों को पाल सकते हैं, लेकिन दस बच्चे मां-बाप का बंटवारा कर रहे हैं। साल भर उन्हें महिनों में बांटा जाता है। वर्तमान परिवेश में ऐसे हालात देखने को मिल रहे है। बेशक ईश्वर ने संसार में करोडों जीव जन्तु बनाए, लेकिन इनसान सबसे अहम कृति बनाई। लेकिन ईश्वर की यह कृति पथभ्रष्ट हो रही है। आज सड़को पर आदमी तड़फ-तड़फ कर मर रहा है। इन्सान पशु से भी बदतर होता जा रहा है। क्योकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए, तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है। जबकि मानव परिसि्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है। आज पैसे का बोलबाला है। ईमानदारी कराह रही है।

अच्छाई बिलख रही है, भाईचारा, सहयोग, मदद एक अंधेरे कमरे में सिमट गये हैं। आत्मा सिसक रही है। वर्तमान में अच्छे व संस्कारवान मनुष्य की कोई गिनती नहीं है। चोर उच्चकों, गुंडे, मवालिओं का आदर सत्कार किया जाता है। आज हंस भीड में खोते जा रहे हैं, कौओं को मंच मिल रहा है। हजारों कंस पैदा हो रहे हैं एक कृष्ण कुछ नहीं कर सकता। आज कतरे भी खुद को दरिया समझने लगे है लेकिन समुद्र का अपना आस्तित्व है। मानव आज दानव बनता जा रहा है। संवेदनाएं दम तोड रही हैं। मानव आज लापरवाही से जंगलों में आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं। जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं, जबकि सदियां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे, मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया।

सिर्फ एक चट्टान को काटकर बनाया गया था मसरूर रॉक कट टेंपल

हिमालय प्रदेश हरियाली और बर्फ के पहाड़ों से ढका बेहद खूबसूरत राज्य है। इस राज्य की खूबसूरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां पर कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनकी हिंदू धर्म में काफी मान्यताएं हैं। अगर आप भी मंदिर से जुड़े इतिहास को जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आज हम आपको मसरूर रॉक कट टेंपल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह रहस्यों से भरा हिमाचल का एकलौता मंदिर है। इस मंदिर की खासियत यह है कि इसको पहाड़ के एक पत्थर को तराश कर बनाया गया है। इस मंदिर को देखने के बाद आप सोच में पड़ जाएंगे कि पुराने समय में बिना टेक्नोलॉजी के इसका निर्माण कैसे किया गया। बता दें कि मसरूर रॉक कट टेंपल में दर्शन करने जाने के लिए आपको टिकट लेना होगा। आप चाहें तो ऑनलाइन टिकट भी ले सकते हैं या फिर यहां पहुंचने के बाद टिकट ले सकते है। इंडियन एडल्ट के लिए 20 रुपये टिकट है। समुद्र लेवल से लगभग 2535 फीट की ऊंचाई पर यह मंदिर स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में किया गया था। वहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मंदिर को बनाने के लिए किसी मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। मसरूर रॉक कट टेंपल दिलचस्प होने के साथ बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के सामने एक बेहद सुंदर झील है, जो यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। वहीं मंदिर से कुछ दूरी पर एक सुंदर व्यू पॉइंट है। जहां से आप को प्रकृति का बेहद शानदार नजारा देखने को मिलेगा। यह मंदिर आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अंदर आता है और इस मॉन्यूमेंट को टैग किया गया है। मंदिर में बनी चट्टान की दीवारें कहीं-कहीं डैमेज हुई हैं। साल 1905 में आए एक भयंकर भूकंप के कारण मंदिर की दीवारें डैमेज हो गई हैं। हालांकि भूकंप ने मंदिर को अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया था। आज भी इस मंदिर में भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां सुरक्षित हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मसरूर रॉक कट टेंपल स्थित है। आप यहां पर सड़क मार्ग, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं। यह मंदिर दिल्ली से करीब 460 किमी दूर है। वहीं धर्मशाला से करीब 45 किमी दूर है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

- 1919 – अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना।
- 1921 – रेडियो पर खेलों की पहली लाइव कमेंट्री का प्रसारण।
- 1930 – ऋषिकेश में इस्पात के तारों से बना 124 मीटर झूलने वाला पुल जनता के लिए खोला गया। इसे लक्ष्मण झूला नाम दिया गया।
- 1964 – भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी दो हिस्सों में विभाजित।
- 1970 – अमेरिका का अपोलो 13 अंतरिक्ष यान चंद्र अभियान पर रवाना।
- 1976 – स्टीव वाजनेक का बनाया पहला एप्पल-1 कंप्यूटर जारी।
- 1983 – बेन किंग्सले की फिल्म गांधी को ऑस्कर अवार्ड।
- 1999 – फिलीपींस सरकार की 'एक स्कूल गोद लो' की अनोखी घोषणा।
- 2002 – चीन में मैच (फुटबाल) फिक्सिंग के आरोप में रेफरी गिरफ्तार।
- 2004 – इस्लामाबाद में भारत के प्रख्यात गायक सोनू निगम के कार्यक्रम स्थल के पास एक कार में बम विस्फोट।
- 2008 – भारत में सरकारी कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए केंद्र सरकार ने छठे वेतन आयोग की समीक्षा के लिए सचिवों की उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की।
- 2008 – स्वीडन में वैज्ञानिकों ने आठ हजार वर्ष पुराने वृक्ष की खोज की।
- 2010 – पोलैंड के राष्ट्रपति लेख काजिंस्की की विमान दुर्घटना में मृत्यु।
- 2011 – भारतीय मूल की अमेरिकी लेखिका झुंपा लाहिरी को उनकी पहली रचना इंटरप्रेटर ऑफ मैलेडीज के लिए पुलित्जर सम्मान।

जाति की जंजीरें: आजादी के बाद भी मानसिक गुलामी

- प्रियंका सौरभ

भारत, जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का एक ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है। एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मानकर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बताकर उसका सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित व्यक्ति के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है- 'आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।' यह पंक्ति महज एक व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है—एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देते हैं।

आस्थाः श्रद्धा और मूर्खता के बीच की पतली रेखा

आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघकर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब वह खतरनाक रूप ले लेती है।

भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरुओं ने अपने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंदकर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपनी पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मानकर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाती है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रही है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? यह कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है?

जातिः एक आधुनिक समाज में मध्यकालीन सोच

अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी की—जातिवाद की। भारत में जाति एक ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवन-मरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैरकानूनी घोषित कर दिया हो, लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी उतनी ही गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज सामने आते हैं जब दलित युवक को ऊंची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या जब किसी गांव में सिर्फ इस वजह से उनके घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मर्यादा' लांघी। यह कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है।

विरोधाभास की जड़ें

इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं। धर्म के नाम पर आस्था को हथियार बनाकर लोगों की सोच को नियंत्रित किया गया। धर्मग्रंथों की मनमानी व्याख्याओं के जरिए एक वर्ग को 'ऊंचा' और दूसरे को 'नीचा' साबित किया गया। जो सवाल उठाए, वह 'धर्म विरोधी' करार दे दिया गया। राजनीति ने भी इस व्यवस्था को खूब पोषित किया। जातियों को वोट बैंक में बदल दिया गया। आरक्षण के नाम पर नफरत फैलाई गई, लेकिन जातिगत अत्याचार को खत्म करने के लिए न ठोस प्रयास किए गए, न इच्छाशक्ति दिखाई गई। आस्था के नाम पर जनता को भावनात्मक रूप से बांधा गया, और वैज्ञानिक सोच को 'पश्चिमी विचारधारा' बताकर नकार दिया गया।

शिक्षा और विवेक की कमी

शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। हम उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। जब बच्चा स्कूल में यह देखता है कि उसके सहपाठी को 'चमार' या 'भंगी' कहा जा रहा है, जब शिक्षक ही छात्रों से जाति पूछते हैं, तो यह सोच उसकी चेतना में गहराई तक बैठ जाती है। यही बच्चा बड़ा होकर वही भेदभाव करता है, और एक बार फिर वह दुष्चक्र शुरू हो जाता है।

मीडिया और समाज का दोगलापन

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन जब बात जातिवाद या अंधविश्वास की आती है, तो उसका रुख या तो बेहद सतही होता है या पूरी तरह से चुप्पी ओढ़ लेता है। बाबाओं के चमत्कारों को वह 'मनोरंजन' के नाम पर दिखाता है, लेकिन किसी दलित की हत्या पर सिर्फ दो मिनट की रिपोर्ट चलाकर बात खत्म कर देता है। वह जानबूझकर ऐसे मुद्दों से बचता है जो उसे किसी 'विशेष वर्ग' से नाराज कर सकते हैं। वहीं समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज नहीं उठती।

क्या है समाधान?

तर्कशील शिक्षा का विस्तारः स्कूलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय पर आधारित पाठ्यक्रम को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को बचपन से यह सिखाना ज़रूरी है कि आस्था का मतलब अंधश्रद्धा नहीं होता, और हर इंसान समान है। सख्त कानून और उनका क्रियान्वयनः जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ बने कानूनों को सिर्फ कागज़ पर नहीं, जमीन पर भी लागू करना होगा। दोषियों को सजा मिले, तभी समाज में बदलाव संभव है।

मीडिया की जिम्मेदारीः मीडिया को इस विषय पर ईमानदार विमर्श शुरू करना चाहिए। दलितों के मुद्दों, जातिगत अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ सशक्त रिपोर्टिंग जरूरी है।

धार्मिक संस्थाओं में सुधारः धर्मगुरुओं को अपने अनुयायियों को विज्ञान और सामाजिक समानता का संदेश देना चाहिए। अगर धर्म में परिवर्तन नहीं होगा, तो समाज में भी नहीं होगा।

सिविल सोसायटी और युवाओं की भागीदारीः सामाजिक संगठनों, छात्रों और जागरूक नागरिकों को इस व्यवस्था के खिलाफ मिलकर आवाज उठानी होगी। सोशल मीडिया को एक सशक्त माध्यम बनाकर जातिवाद और अंधविश्वास के खिलाफ आंदोलन खड़ा किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail.Com

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की संयुक्त समीक्षा बैठक

सौर ऊर्जा व गेहूं क्रय में बेस्ट परफॉर्मेंस देगा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। केंद्रीय खाद्य, उपभोक्ता एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम कुसुम योजना और रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत गेहूं खरीद को लेकर संयुक्त समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री की भावनाओं के अनुरूप उत्तर प्रदेश सोलर एनर्जी और गेहूं खरीद में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश अपनी ओर से बेस्ट रिजल्ट देने का प्रयास करेगा। वहीं जोशी ने भी उत्तर प्रदेश के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी और कहा कि प्रदेश सरकार बढ़ती ऊर्जा मांगों के अनुरूप कार्य करते हुए पूरे देश के लिए मॉडल बन रहा है। बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप उत्तर प्रदेश की तैयारी सही दिशा में है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने राज्य एवं केंद्र सरकार के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री जोशी को ओडीओपी का उपहार और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कॉमन मैन और खासतौर पर अन्नदाता किसानों को स्पर्श करती तीन महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश इन योजनाओं में अच्छा कार्य कर रहा है और प्रदेश सरकार की ओर से आश्वस्त करता हूं कि उत्तर प्रदेश अपनी ओर से बेस्ट रिजल्ट देगा। उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 प्रख्यापित की गई है। इसके अंतर्गत राज्य में कम लागत की विश्वसनीय सौर ऊर्जा तक आम लोगों की पहुंच को सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा नीति 2022 एवं उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 भी प्रख्यापित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने सोलर पॉलिसी के तहत 2027 तक सोलर प्रोडक्शन में 22 हजार मेगावाट से अधिक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत सोलर पार्कों का विकास, कृषि फीडरों और निजी ऑन ग्रिड पंपों के सोलराइजेशन को बढ़ावा देना, एक्सप्रेसवे और रेलवे ट्रैक के किनारे सौर संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा देना सहित सौर ऊर्जा उपकरणों के निर्माण उद्योग को बढ़ावा देना है। साथ ही सौर परियोजनाओं के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पोर्टल पर मार्च 2025 तक प्राप्त 10.73 लाख आवेदनों पर कॉलिंग कर वेंडर्स को सूची उपलब्ध कराते हुए सोलर रूफटॉप की स्थापना की जाए। आवश्यकता के अनुरूप वेंडर्स की संख्या में वृद्धि की जाए। पीएम कुसुम योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश निजी पंप सोलराइजेशन में देश में प्रथम है। निजी नलकूपों के सोलराइजेशन के लिए मिशन मोड में कार्य किया जाए। जल्द से जल्द सभी को सोलर पैनल से आच्छादित किया जाए। अच्छे वेंडर्स को इसमें शामिल किया जाए। किसानों को भी पानी की बचत के लिए जागरूक किया जाए।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश गेहूं के प्रोक्योरमेंट, पीएम सूर्य घर समेत इन सभी संबंधित योजनाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। रिन्यूएबल और ओवरआल एनर्जी में प्रदेश सरकार का कार्य उत्कृष्ट रहा है। अयोध्या और वाराणसी में सोलर को लेकर जो कार्य हुआ है वो दूसरे राज्यों के लिए आदर्श है। इसको अभियान चलाकर और बेहतर किया जाए, ताकि पूरे देश के लिए हम इसे मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने कहा कि बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप उत्तर प्रदेश की तैयारी सही दिशा में है।

" पीएम सूर्य घर योजना को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में योजना के अंतर्गत 10 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके सापेक्ष एक लाख से ज्यादा इंस्टॉलेशन पूर्ण कर लिए गए हैं। उन्होंने यूपीनेडा के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन लोगों ने भी योजना के अंतर्गत आवेदन किया है सभी को अभियान चलाकर शीघ्र से शीघ्र सोलर एनर्जी से जोड़ा जाए। अभी हर महीने 11 हजार से अधिक इंस्टॉलेशन किए जा रहे हैं, जिसे 2025-26 में बढ़ाकर औसतन 22 हजार से अधिक किया जाए। जनपदवार, डिस्कॉमवार, नगर निगम, नगर पालिका को लक्ष्य आवंटित किया जाए। इसके प्रभावी अनुश्रवण एवं समीक्षा के लिए सीएम डैशबोर्ड के साथ इंटीग्रेटेड किया जाए।

" रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत गेहूं खरीद की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश गेहूं क्रय के लक्ष्य को तय समय में पूरा कर लेगा। उन्होंने बताया कि 9 अप्रैल तक 26,641 किसानों से 1.40 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। अभी तक गेहूं क्रय कार्य की प्रगति विगत वर्षों की तुलना में बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से गेहूं खरीद की अनुमति प्राप्त होने के फलस्वरूप कृषकों से संपर्क करके उनके गांव/दरवाजे पर जाकर भी गेहूं क्रय कराया जा रहा है। हमारी टीम फील्ड में उतरकर सभी 826 विकास खंडों में किसानों से बातचीत कर रही है। हर मंडी में किसानों के लिए बैठने और खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था की गई है।

बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप सही दिशा में है यूपी सरकार की तैयारी: जोशी

उप्र के कई हिस्सों में बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली एवं तेज बारिश में दीवार गिरने की घटना से नौ लोगों की मौत हो गयी। इसमें फिरोजाबाद में दो लोग, सिद्धार्थनगर में एक, सीतापुर में दो लोगों, फतेहपुर में दो, संतकबीर नगर में एक, आजमगढ़ में एक सहित कुल नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

गुरुवार को फिरोजाबाद के अपर जिलाधिकारी विशु राजा ने तेज बारिश एवं बिजली गिरने के बारे में बताया कि फिरोजाबाद में आकाशीय बिजली गिरने से गांव दौलतपुर में ललिता देवी और जसराना के चनारी में किसान पदमवीर सिंह की मौत हो गयी है। वहीं जिले में कुछ एक स्थानों पर पेड़, कच्चे मकान गिरने की भी जानकारी मिली है। सीतापुर के जिलाधिकारी अभिषेक कुमार के मुताबिक सीतापुर के बिसवां के मोछखुर्द गांव में किसान हरिशचंद्र की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गयी। वहीं रसूलपुर गांव में एक मकान की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर कुसुमा देवी की मौत हुई है। उक्त घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की भी सूचना है। जिले में अन्य जगहों से कोई अप्रिय समाचार प्राप्त नहीं हुआ है।

सिद्धार्थनगर जिले में गौरामगुआ ग्राम क्षेत्र में तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से घनश्याम की मौत हो गई। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल ही सूचना प्रशासन को दिया और शेष बचाव कार्य कराया गया। इसी तरह फतेहपुर जिले में खागा के देवकली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों अरविन्द और कुलदीप की मौत हो गई, जबकि बच्ची वंदना, सरवन, श्याम, बबलू और सुशील यादव झुलस गये। झुलसे हुए लोगों को तत्काल ही पुलिस प्रशासन ने हथगांव सीएचसी में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर एसडीएम अवनीश कुमार मौके पर पहुंचे।

संतकबीर नगर जिले में बखिरा के मगौली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से आरती नामक युवती की मौत हो गयी। आजमगढ़ जिले के अहरौला के रेडहा गांव में गुड़िया नाम युवती पर आकाशीय बिजली गिरी और उसे अस्पताल ले जाते हुए उसकी मौत हो गयी।

3 बच्चों के साथ तालाब में कूदी मां और बच्चों की मौत

भदोही। भदोही के एक गांव में एक महिला ने अपने तीन बच्चों को लेकर तालाब में छलांग लगा दी जिससे चारों की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार सुबह दुर्गागंज थाना क्षेत्र के शेरपुर गोपालहा गांव में अन्नू देवी, अपने तीन बच्चों दीक्षा (8), दिव्यांश (3) और सूर्यांश (6) को लेकर तालाब में कूद गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से अन्नू देवी और उसके तीन बच्चों के शव गहरे पानी से निकाले हैं तथा चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। अग्रवाल ने बताया कि शेरपुर गोपलहा गांव के सुनील यादव अपनी पत्नी अन्नू देवी और तीन बच्चों साथ मुंबई में रहता था, जबकि सुनील के माता पिता यहां गांव में रहते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार सुनील की माता चमेलिया देवी कैंसर से पीड़ित थीं जिसके चलते वह अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ करीब डेढ़ महीने पहले यहां आया था। अग्रवाल के अनुसार चमेलिया देवी की सात अप्रैल को मृत्यु हो गई। गुरुवार सुबह अन्नू देवी तीनों बच्चों को लेकर तालाब पर पहुंची थी। तालाब के किनारे अन्नू देवी की चप्पल और पास में मोबाइल मिला है। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसके बारे में परिजन कुछ बता पाने में असमर्थ हैं। उनके अनुसार परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई है, ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी आज अपनी काशी को देंगे 3884 करोड़ की 44 परियोजनाओं की सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी के 50वें दौरे पर आ रहे हैं। इस अवसर पर वे 3884.18 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम राजातालाब के मेंहदीगंज क्षेत्र में आयोजित होगा, जहां प्रधानमंत्री एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यक्रम स्थल पर 19 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जिनकी कुल लागत 1629.13 करोड़ रुपये है। इनमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत 345.12 करोड़ रुपये की 130 ग्रामीण पेयजल योजनाएं प्रमुख हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी 2255.05 करोड़ की 25 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इनमें बाबतपुर एयरपोर्ट के पास एनएच-31 पर अंडरपास टनल, भिखारीपुर तिराहा और मंडुवाडीह चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा वह बनास डेयरी (अमूल) से जुड़े उत्तर प्रदेश के लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों को 106 करोड़ रुपये का बोनस भी ट्रांसफर करेंगे।

भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी का यह 50वां काशी दौरा यह बताता है कि उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र और काशीवासियों से विशेष लगाव है। दिलीप पटेल ने कहा कि अपने सांसद एवं प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत करने एवं जनसभा में भाग लेने के लिए भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक गाजे-बाजे के साथ पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री के भव्य स्वागत की तैयारी है।

जनसभा स्थल सहित पूरे जिले और महानगर को पार्टी के झंडों और विद्युत झालरों से सजाया गया है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को पूर्वाह्न में मेंहदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में भाग लेंगे। एडीजी सुरक्षा रघुवीर लाल और वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बुधवार देर शाम कैंप कार्यालय पर अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए फोर्स को ब्रीफ किया। एसपीजी ने प्रधानमंत्री के सुरक्षा की कमान अपने हाथ में ले ली है। वीवीआईपी सुरक्षा में 6 पुलिस अधीक्षक, 8 एडिशनल एसपी, 33 डिप्टी एसपी और पुलिस-पीएसी व अर्धसैनिक बलों के चार हजार जवान तैनात रहेंगे।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद। थाना फरिहा पुलिस टीम ने बुधवार देर रात एक वांछित हिस्ट्रीशीटर को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त जानलेवा हमले के मामले में वांछित चल रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक देहात अखिलेश भदौरिया ने बताया कि 1 अप्रैल को थाना फरिहा पर एक मारपीट व जानलेवा हमले का मुकदमा अभियुक्त वकील व उसके साथियों के विरुद्ध दर्ज किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु 3 पुलिस टीमों का गठन किया था। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी फरिहा गौतम सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त वकील किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में फरिहा से मर्शलगंज जाने वाले रास्ते पर ईदगाह के पास घूम रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा फरिहा मर्शलगंज रोड पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका तो उसने पुलिस टीम पर फायर किया। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति पैर में गोली लगने से घायल हो गया। व्यक्ति की पहचान वकील पुत्र अजमेरी निवासी भीकनपुर सांखिनी थाना फरिहा जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस एवं एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

सबकी सुरक्षा, समृद्धि एवं खुशहाली की गारंटी है भाजपा: धर्मपाल सिंह

बाराबंकी। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि सुरक्षा के बेहतर वातावरण के साथ समाज के हर तबके की समृद्धि और खुशहाली ही भारतीय जनता पार्टी सरकार की गारंटी है और इस गारंटी को पूरा करने के लिए मोदी-योगी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान देने के साथ उन्हें स्वावलंबी भी बना रही है।

संगठन महामंत्री ने उक्त बातें देवा मंडल के पीड़ गांव में गुरुवार को गांव चलो अभियान के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित चौपाल में कहीं। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड का कवच प्रदान किया गया, जबकि 56 लाख से अधिक लोग प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी बने है इसके अलावा प्रदेश में 15 करोड़ लोग मुफ्त राशन योजना से लाभान्वित किए गए जबकि लगभग 2 करोड़ 70 लाख से अधिक गरीबों को शौचालय उपलब्ध कराए गए। चौपाल में संवाद के दौरान ग्रामीणों को समझाते हुए उन्होंने कहा कि जब अच्छी सरकार चुनी जाती है तो उसके परिणाम भी अच्छे ही आते हैं।

उन्होंने कहा कि यही उत्तर प्रदेश है जहां पूर्व में दंगे होते थे। गरीबों पर अत्याचार होते थे। योजनाओं का बंदरबांट होता था। आस्था को चोट पहुंचाई जाती थी। आपने अच्छी सरकार चुनी तो भगवान राम का भव्य मंदिर बन गया। प्रयागराज में महाकुंभ का ऐतिहासिक आयोजन भी संभव हुआ। गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है और सुरक्षा का बेहतर वातावरण भी देश व प्रदेश को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साख दुनिया में बढ़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांव के गलियारों में अपना पसीना बहाकर देश और प्रदेश में सत्ता हासिल की है।

गांव चलो अभियान का मकसद समझाते हुए कहा कि अच्छी सरकार चुनी गई तो आज तो कांवड़ यात्रा भी निकल रही है भगवान राम का भव्य मंदिर भी बन गया है। भव्य दीपावली का उत्सव भी हो रहा है। गरीबों को योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है और सुरक्षा का बेहतर वातावरण भी प्रदेश-देश को यही सरकार दे रही है। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा डॉ आंबेडकर से जुड़े पंच तीर्थ निर्माण की चर्चा भी की। उन्होंने कहा आगामी चुनावों के मद्देनजर यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। इसके पूर्व गुरुवार की दोपहर संगठन महामंत्री पीड़ गांव स्थित मंदिर पहुंचे जहां स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। बूथ संख्या 27 व 28 के घर घर दस्तक दी। ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें केंद्र और प्रदेश सरकार से मिले लाभ की जानकारी हासिल की। नन्हे मुन्ने बच्चों को दुलराया, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. देव नाथ मौर्य के स्मारक एवं डॉ आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया। बूथ कमेटी के साथ बैठक करके पार्टी के विभिन्न अभियानों की जानकारी साझा की।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य, पूर्व सांसद उपेन्द्र सिंह रावत, रामकुमारी मौर्य, अभियान संयोजक संदीप गुप्ता, रचना श्रीवास्तव, विजय आनंद बाजपेई, मनोज वर्मा, मंडल अध्यक्ष अरविंद वर्मा, पुनीत मिश्रा, राजेश वर्मा, गुरुशरण लोधी, अजीत प्रताप सिंह, प्रधान आरती रावत, राजेश रावत मौजूद रहे।

अभिनव शर्मा का ISRO में चयन, पूरे देश में दूसरा स्थान

मीरजापुर। जनपद के कछवां क्षेत्र के कटका गांव निवासी अभिनव शर्मा पुत्र उदय राज शर्मा ने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अभिनव का चयन भारत के सबसे प्रतिष्ठित शोध संस्थान इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अंतरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक-इंजीनियर पद पर हुआ है। गौरव की बात यह है कि इस परीक्षा में उन्होंने पूरे भारत में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अभिनव शर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा कटका स्थित अनंती इंटर कॉलेज से हुई, जहां उन्होंने कक्षा 1 से लेकर इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से जियोफिजिक्स में बीएससी और एमएससी की पढ़ाई पूरी की, फिर कानपुर विश्वविद्यालय से ग्रेविटी एवं मैग्नेटिक फील्ड पर रिसर्च कार्य किया। अपनी सफलता का श्रेय अभिनव ने अनंती इंटर कॉलेज के संस्थापक स्व. प्रदीप शर्मा को दिया। उन्होंने कहा कि प्रदीप सर ने बचपन से ही पढ़ाई में हमेशा प्रोत्साहित किया, उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन की वजह से ही मैं आज इस मुकाम तक पहुंच सका हूं। परिणाम की घोषणा के बाद कटका गांव में खुशी का माहौल है। लोगों ने मिठाई बांटी और एक-दूसरे को बधाई दी। हालांकि अभिनव के पिता उदय राज शर्मा कैंसर से पीड़ित हैं, लेकिन बेटे की इस बड़ी उपलब्धि ने उनके चेहरे पर भी मुस्कान ला दी।

महावीर जयंती पर प्रदेश में धूमधाम से निकली भव्य शोभायात्रा, पूरे राह पुष्पवर्षा

भगवान महावीर के विग्रह को रजत पांडुक शिला पर विराजमान कराकर 108 रजत कलशों से पंचाभिषेक

वाराणसी। 'अहिंसा परमो धर्म:' और 'जियो और जीने दो' का संदेश देने वाले 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती पर गुरुवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी एक आध्यात्मिक उत्सव की साक्षी बनी। मैदागिन स्थित दिगंबर जैन मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा में श्रद्धा और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला।

शोभायात्रा में चांदी के रथ पर भगवान महावीर की दिव्य झांकी सुसज्जित थी। शोभायात्रा जैसे ही मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई, श्रद्धालुओं ने गुलाब के पंखुड़ियों की बारिश शोभायात्रा पर की। इस दौरान जैन समाज के लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। बुलानाला, नीचीबाग, ठठेरी बाजार, सोराकुआं होते हुए शोभायात्रा ग्वाल दास साहू लेन स्थित श्री पंचायती मंदिर में जाकर संपन्न हुई। वहां भगवान महावीर के विग्रह को रथ से उतारकर रजत नालकी पर विराजमान किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने कंधे पर उठाकर मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचाया। इसके बाद भगवान महावीर स्वामी का 108 रजत कलशों से पंचामृत अभिषेक हुआ।

विग्रह को रजत पांडुक शिला पर सुशोभित कर पूजा-अर्चना संपन्न की गई। शोभायात्रा में ध्वज-पताकाएं, 'अहिंसा परमोधर्म' के बैनर, राजस्थानी परिधानों में सजे बच्चे और महिलाएं, चंवर, धूप व झंडी गाड़ियों की झलक, और रजत रथ की आभा ने शहर को अध्यात्म से सराबोर कर दिया। रजत हाथी, बग्घी और बाजे-गाजे के साथ नाचते गाते श्रद्धालुओं ने वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

दिगंबर जैन मंदिर के पुजारी प्रदीप चंद जैन ने बताया कि चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को महावीर स्वामी का जन्म दिवस मनाया जाता है। मैदागिन स्थित जैन मंदिर में 170 वर्षों से महावीर जयंती मनाई जा रही है।

भगवान महावीर के अभिषेक के बाद रथयात्रा (शोभायात्रा) निकाली गई। पंचायती मंदिर में पहुंचने के बाद भजन-कीर्तन व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि बनारस के ग्यारहों मंदिर में महावीर जयंती मनाई जा रही है, जिसमें मझवां, हाथी बाजार, चंद्रावती भी शामिल है। जैनधर्म अहिंसा परमो धरमः के रास्ते पर चलने वाला है। महावीर स्वामी का यही संदेश था कि, जियो और जीने दो और हम भी सभी को यही संदेश देते हैं।

चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा का पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

मुरादाबाद। भगवान महावीर जयंती महोत्सव समिति मुरादाबाद के तत्वावधान में गुरुवार को 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624 वीं जयंती पर मनमोहक झांकियों संग भगवान महावीर की जयंती पर भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकली। यात्रा मार्ग में भगवान महावीर के रथ पर पुष्पों की वर्षा हुई।

दिगम्बर जैन मंदिर जीलाल स्ट्रीट से सुबह प्रभात फेरी के उपरांत दोपहर में बैंड बाजे और ढोल नगाड़ों के साथ निकली शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां भगवान महावीर के संदेश दे रही थी। भक्तों ने जगह-जगह आरती उतारी। शोभायात्रा दिगम्बर जैन मंदिर जीलाल स्ट्रीट से प्रारंभ होकर मंडी चौक, बर्तन बाजार, अमरोहा गेट, चौमुखापुल, बाजार गंज, टाउनहाल, गुरहट्टी, जैन मंदिर चौक होते हुए पंचायत भवन में जाकर विसर्जित हुई। पंचायत भवन में शोभायात्रा के उपरांत 108 कलशों द्वारा भगवान महावीर का अभिषेक किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही और पालना के साथ ही आरती में बढ़ चढ़कर जैन धर्मावलंबियों ने हिस्सा लिया। मुरादाबाद दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष राजीव जैन, अरविंद जैन, दीपक जैन, समीर जैन, मनीष जैन, अनुज जैन, नितिन जैन, शुभम जैन, कमल जैन, दिगंबर महिला जैन समाज की अध्यक्ष नीलम जैन, मंत्री शिखा जैन, कोषाध्यक्ष सीमा जैन आदि उपस्थित रही।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर पुनर्विचार करे भारत, शून्य-से-शून्य शुल्क की पेशकश करे: जीटीआरआई

नई दिल्ली। भारत को अमेरिका के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि इससे कृषि, मोटर वाहन और दवा जैसे घरेलू क्षेत्रों के लिए चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बृहस्तपतिवार को आगाह किया और कहा कि इसके तहत अमेरिका की कई मांगें जैसे कि न्यूनतम मूल्य समर्थन के तहत किसानों को दी जाने वाली राशि को कम करना, आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य आयात की अनुमति देना, कृषि शुल्क कम करना, दवा एकाधिकार को बढ़ाने के लिए पेटेंट कानूनों में बदलाव करना और अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गजों को सीधे उपभोक्ताओं को सामान बेचने की अनुमति देना... बड़े जोखिम उत्पन्न करते हैं।

जीटीआरआई ने कहा कि इन जोखिमों में किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और छोटे खुदरा विक्रेताओं के अस्तित्व को होने वाली हानि शामिल है। इसमें कहा गया, '' कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करने से करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। कार पर शुल्क कम करने से उस क्षेत्र को नुकसान हो सकता है जो भारत के विनिर्माण उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। 1990 के दशक में भारी शुल्क कटौती के बाद ऑस्ट्रेलिया के कार उद्योग का पतन एक चेतावनीपूर्ण उदाहरण है।'' आर्थिक शोध संस्थान ने अमेरिका के भारत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के कदम को 90 दिन के लिए टालने के निर्णय की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की है। हालांकि अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले घरेलू सामानों पर पांच अप्रैल से 10 प्रतिशत का मूल शुल्क लागू है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' अमेरिका के साथ व्यापक एफटीए से बचें क्योंकि इससे भारत को नुकसानदेह रियायतें देने पर मजबूर होना पड़ेगा। '' उन्होंने कहा, '' यह ऐसा सौदा है जिससे भारत को जितना लाभ होगा, उससे कहीं अधिक नुकसान होगा।

90 प्रतिशत औद्योगिक वस्तुओं पर शून्य-से-शून्य सौदे तक सीमित रहें। यूरोप ने अमेरिका को इसी तरह के सौदे का सुझाव दिया है।'' 'शून्य-से-शून्य' शुल्क से तात्पर्य किसी देश से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर कोई शुल्क नहीं लगाना है। श्रीवास्तव ने रसायन, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों में चीन के साथ उत्पाद मूल्य श्रृंखला बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भारत कार जैसी संवेदनशील वस्तुओं को छोड़कर 90 प्रतिशत औद्योगिक वस्तुओं पर अमेरिका के साथ सीमित 'शून्य-से-शून्य' शुल्क समझौते का प्रस्ताव कर सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक ने कहा, '' यदि अमेरिका इसे स्वीकार कर लेता है, तो यह डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के अनुरूप केवल वस्तुओं का समझौता बन सकता है। अमेरिका को एकतरफा रियायतें देना बंद करें।'' उन्होंने कहा कि भारत को यूरोपीय संघ, ब्रिटेन तथा कनाडा के साथ मुक्त व्यापार वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए और चीन व रूस जैसे देशों के साथ व्यापक साझेदारी पर विचार करना चाहिए। सरकार को घरेलू सुधारों पर भी ध्यान देना चाहिए जैसे शुल्क को सरल बनाना, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का परेशानी मुक्त व न्यायसंगत क्रियान्वयन, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रक्रियाओं में सुधार और व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना आदि। उन्होंने कहा, '' यदि भारत वैश्विक बदलावों का अधिकतम लाभ उठाना चाहता है तो ये बदलाव महत्वपूर्ण हैं, हालांकि प्रगति धीमी हो सकती है।''

अमेरिकी शुल्क पर रोक से बड़ी राहत, व्यापार वार्ता के लिए रास्ता खुलाः निर्यातक

नई दिल्ली। निर्यातकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका के जवाबी शुल्कों को 90 दिन के लिए टालने से बड़ी राहत मिली है। साथ ही इससे भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते के लिए कूटनीतिक भागीदारी और तेजी से बातचीत करने से भारत को इन शुल्कों से निपटने में मदद मिलेगी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन' (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, '' (अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट) ट्रंप के प्रशासन का यह एक अच्छा फैसला है। वाणिज्य मंत्रालय ने हमें आश्वासन दिया है कि समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि यह कदम एक रणनीतिक विराम को दर्शाता है जिसका उद्देश्य संभावित समाधानों के लिए राह बनाते हुए तत्काल आर्थिक नुकसान से बचना है। रल्हन ने कहा, '' यह हमारे निर्यातकों के लिए बड़ी राहत है। जवाबी शुल्क को 90 दिन के लिए टालने से कूटनीतिक जुड़ाव और व्यापार वार्ता के लिए महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध हुआ है।'' अमेरिका के निर्णय का स्वागत करते हुए मुंबई स्थित निर्यातक एस. के. सराफ ने कहा कि भारतीय उद्योग को चीन पर उच्च शुल्क का लाभ उठाना चाहिए, क्योंकि इससे वह सस्ती कीमतों पर मध्यवर्ती वस्तुओं का आयात कर सकता है और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा दे सकता है। अमेरिका को निर्यात करने वाले सराफ ने कहा, '' मिसाल के तौर पर वस्त्र उद्योग में हम चीन से विभिन्न प्रकार के धागे आयात कर सकते हैं और निर्यात के लिए वस्त्र तैयार कर सकते हैं। यह भारत और चीन के साथ आने का अच्छा अवसर है। मुझे लगता है कि यह रोक 90 दिन से आगे भी जारी रहेगी और चीजें सामान्य हो जाएंगी।'' वैश्विक बाजार में नरमी के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अचानक 90 दिन के लिए अधिकतर देशों पर लगाए गए शुल्क पर रोक लगा दी लेकिन चीनी आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी। हालांकि, पांच अप्रैल से लगाया गया 10 प्रतिशत शुल्क अब भी लागू रहेगा। अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया था। उद्योग जगत के लोगों और निर्यातकों के साथ नौ अप्रैल को बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यातकों से न घबराने को कहा और उन्हें आश्वासन दिया कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। इसका उद्देश्य 2023 तक अपने व्यापार को वर्तमान 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना कर 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। दोनों पक्षों ने इस वर्ष की शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक इसके पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा –

दोनों देशों में सकारात्मकता और उत्सुकता

लंदन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन की अपनी समकक्ष रेचल रीव्स के साथ 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत-ब्रिटेन आर्थिक व वित्तीय वार्ता (ईएफडी) का बुधवार को समापन किया और द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को जल्द ही पूरा करने की संभावना जाहिर की। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित वार्षिक वार्ता में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के अनुसार, ईएफडी से 40 करोड़ पाउंड का व्यापार और निवेश बढ़ा है, जिसमें पेटीएम और एमफैसिस जैसी भारतीय कंपनियां शामिल हैं जिन्होंने ब्रिटेन के बाजार के लिए निवेश योजनाएं शुरू की हैं। ईएफडी के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, बैठक में वृद्धि को बढ़ावा देने, द्विपक्षीय वित्तीय सेवा संबंधों को बेहतर बनाने तथा ब्रिटेन औद्योगिक रणनीति, कर, सतत वित्त व अवैध वित्त पर नीतिगत सहयोग को गहरा करने की योजनाएं निर्धारित की गई हैं। रक्षा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की भी पहचान की गई, जिसमें भारत-ब्रिटेन रक्षा औद्योगिक खाके को अंतिम रूप दिया गया।

इससे औद्योगिक क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को एकीकृत करने की योजना बनाई गई। ईएफडी के बाद सीतारमण ने पत्रकारों से कहा, '' मैं इस वार्ता को बेहद महत्व देती हूं। हमने भारत और ब्रिटेन दोनों के लिए रुचि के विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, '' मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बात की गई जिसके लिए वार्ता जारी है। दोनों पक्षों की ओर से इस पर जल्द निष्कर्ष निकालने के लिए सकारात्मकता, उत्सुकता व समर्पण की भावना व्यक्त की गई। '' सीतारमण ने कहा, '' हम इसे समाप्त करना चाहते हैं, कुछ मुद्दों पर जो कठिनाइयां हमें हुई हैं...उनसे उबरना चाहते हैं। हम इस पर चर्चा करेंगे और हम निश्चित रूप से इसे अंतिम रूप देंगे, यह मेरी अपेक्षा है।'' ब्रिटेन के राजकोष की चांसलर ने दोनों देशों के लिए आर्थिक वद्धि को बढ़ावा देने में व्यापार और निवेश के महत्व को स्वीकार करते हुए, '' सौदे को पूरा करने में तेजी लाना'' जारी रखने के लिए ब्रिटेन की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

रीव्स ने कहा, '' हम अपने मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जो देशों के बीच व्यापार को बाधित करती हैं। मेरा मानना है कि मुक्त व खुले व्यापार से देशों को लाभ होता है, जैसा कि निवेश के मुक्त प्रवाह से होता है और इसीलिए हम भारत के साथ मिलकर उन बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' हम अपने देशों के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए किसी मुक्त व्यापार समझौते का इंतजार नहीं कर रहे हैं, जैसा कि आज भारतीय कंपनियों द्वारा ब्रिटेन में तथा ब्रिटेन की कंपनियों द्वारा भारत में महत्वपूर्ण निवेश की घोषणाओं में देखा जा सकता है।'' संवाद की मेजबानी करने वाले लंदन स्टॉक एक्सचेंज समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डेविड श्विमर ने कहा, '' प्रगाढ़ साझेदारी से दोनों देशों की सरकारें और नियामक एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं जो उनके वित्तीय बाजारों तथा अर्थव्यवस्थाओं को वास्तविक लाभ पहुंचाए।

दो साल में मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग का नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा होगा : गडकरी

धार (मप्र)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आने वाले दो साल में मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग का नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बन जाएगा और एक साल के भीतर राज्य में तीन लाख करोड़ रुपये के बुनियादी अवसंरचना विकास के काम पूरे कर लिए जाएंगे। धार जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में 5,800 करोड़ रुपये की लागत वाली 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद गडकरी ने यह बात कही।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री ने जॉन एफ केनेडी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था अमेरिकी सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि इसलिए कि अमेरिका अमीर है क्योंकि अमेरिकी सड़कें अच्छी हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मध्यप्रदेश की जनता को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आने वाले दो साल के अंदर प्रदेश का राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा।'' गडकरी ने कहा कि कहा कि वह हवा में बातें नहीं करते हैं और जो भी वादा करते हैं, उसे डंके की चोट पर पूरा भी करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री यादव मध्यप्रदेश को सुखी और समृद्ध बनाने के मिशन में जुटे हुए हैं और सभी क्षेत्रों में यह राज्य 'बहुत तेजी' से प्रगति कर रहा है। गडकरी ने कहा कि बतौर केंद्रीय मंत्री उन्होंने मध्यप्रदेश के इस विकास को बहुत नजदीक से देखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग का जिम्मा सौंपा गया और पिछले 11 साल में उन्होंने देश के सभी क्षेत्रों में कई सड़कें, फ्लाईओवर और पुल-पुलिया बनवाए। उन्होंने कहा, ''मध्यप्रदेश बहुत तेजी से विकास कर रहा है।''गडकरी ने कहा कि किसी भी देश के विकास में बुनियादी अवसंरचना विकास की बड़ी भूमिका होती है। ''जल, ऊर्जा, परिवहन और संचार जहां होते हैं, वहां उद्योग और व्यापार बढ़ता है।

संक्षिप्त खबरें

निंबसपोस्ट ने इरविन को नियुक्त किया मुख्य कार्यपालक अधिकारी

मुंबई। लॉजिस्टिक प्रौद्योगिकी मंच और एक्सप्रेसबीज की अनुषंगी कंपनी निंबसपोस्ट ने इरविन आनंद को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। कंपनी के बयान के अनुसार, इरविन आनंद वैश्विक शिक्षण मंच उडेमी में भारत एवं एशिया-प्रशांत के प्रबंध निदेशक रहे हैं। आनंद इस नई भूमिका में उत्पाद व नवाचार में तेजी लाने, विक्रेता की सफलता को बढ़ाने, परिचालन उत्कृष्टा को बढ़ावा देने और नये व मौजूदा बाजारों में निंबसपोस्ट के रणनीति विस्तार पर ध्यान देंगे। एक्सप्रेसबीस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताव साहा ने कहा '' इरविन का रणनीतिक दृष्टिकोण विक्रेताओं को असाधारण अनुभव प्रदान करने, प्रौद्योगिकी व डेटा क्षमताओं को मजबूत करने और विचारशील, लचीला व भविष्य-उन्मुख बनने के कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

डीपी वर्ल्ड मुंद्रा ने 2024-25 में 14 लाख टीईयू का किया संचालन

नई दिल्ली। वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड के मुंद्रा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल ने वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक आधार पर 13 प्रतिशत अधिक 14,97,228 टीईयू का संचालन किया। कंपनी बयान के अनुसार, टर्मिनल ने 762 जहाजों को सेवाएं दीं जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 6.57 प्रतिशत अधिक है। इसमें कहा गया, डीपी वर्ल्ड मुंद्रा ने मार्च 2025 में मासिक आधार पर सर्वाधिक 138,983 टीईयू का संचालन किया और जनवरी 2025 में बनाए 138,000 टीईयू के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

लेक्सस इंडिया की वित्त वर्ष 2024-25 में खुदरा बिक्री 19% बढ़ी

नई दिल्ली। लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी लेक्सस इंडिया की वित्त वर्ष 2024-25 में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ गई। कंपनी बयान के अनुसार, चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में उसकी खुदरा बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, कंपनी ने बिक्री के सटीक आंकड़े साझा नहीं किए। इस बीच, लग्जरी कार विनिर्माता ऑडी इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने देश भर में 6,500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन 'चार्जिंग पॉइंट' स्थापित किए हैं।

ओमेगा सेकी मोबिलिटी महिला चालकों को कम कीमत उपलब्ध कराएगी 'पिंक ऑटो'

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में महिला चालकों को कम कीमत पर 2,500 विशेष रूप से तैयार किए गए गुलाबी तिपहिया (पिंक ऑटो) उपलब्ध कराएगी। ओमेगा सेकी मोबिलिटी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, कंपनी की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत यह योजना बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में शुरू की गई जहां 500 महिला चालकों को गुलाबी ऑटो मिले। इन चालकों को एक प्रमुख सरकारी बैंक से वाहन कर्ज के ब्याज पर एक प्रतिशत की सब्सिडी भी मिलेगी। कंपनी ने कहा कि उसने दिल्ली स्थित गैर-लाभकारी संगठन 'नारी शक्ति' के साथ सहयोग किया है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक एवं चेयरमैन उदय नारंग ने कहा, '' नारी शक्ति के साथ हमारी साझेदारी सिर्फ एक सीएसआर पहल से कहीं अधिक है। यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक कदम है। इसके जरिये हम महिलाओं को केवल एक वाहन नहीं दे रहे, बल्कि हम उनके लिए स्वतंत्रता, सम्मान और अवसर का मार्ग खोल रहे हैं।

अमेरिकी शुल्क को 90 दिन के लिए टालने का फैसला भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अवसरः आईसीईए

नई दिल्ली। अमेरिका का जवाबी शुल्क लगाने के कदम को 90 दिन के लिए टालना भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण निवेश को आकर्षित करने के प्रयासों में तेजी लाने का महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर उत्पन्न करता है। खासकर उन कंपनियों से जो चीन से परे अपने उत्पादन आधारों में विविधता लाना चाहती हैं। चीन पर अमेरिका ने 125 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क लगाया है।

वैश्विक बाजार में नरमी के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक 90 दिन के लिए अधिकतर देशों पर लगाए गए शुल्क पर बुधवार को रोक लगा दी लेकिन चीनी आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दीं। हालांकि, पांच अप्रैल से लगाया गया 10 प्रतिशत शुल्क अब भी लागू रहेगा। अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया था। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि अन्य देश खासकर वियतनाम इस शुल्क निलंबन से फायदा उठाने के लिए तैयार हैं और ''भारत को भी तेजी से तथा निर्णायक रूप से आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' यह अवधि भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण निवेश को आकर्षित करने के प्रयासों में तेजी लाने का महत्वपूर्ण रणनीतिक दरवाजा खोलती है। खासकर उन कंपनियों से, जो चीन से परे अपने उत्पादन आधारों में विविधता लाना चाहती हैं। आईसीईए इन्हें (उत्पादन) भारत में स्थानांतरित करने में तेजी लाने के लिए सरकार का समर्थन करने को प्रतिबद्ध है।'' मोहिंद्रू ने आगाह किया कि ''इस अनुकूल अवधि'' का लाभ उठाने में देरी के परिणामस्वरूप आप ''मौका गंवा सकते हैं'' क्योंकि कंपनियां तत्काल अधिक लाभ प्रदान करने वाले वैकल्पिक गंतव्यों का चयन कर सकती हैं।'' आईसीईए के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन द्वारा जवाबी शुल्क पर 90 दिन की रोक एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कार्रवाई-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए कहा, '' हम भारत सरकार की इस बात के लिए सराहना करते हैं कि उसने जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाया, बल्कि इसके बजाय एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जो प्रस्तुत अवसरों की रणनीतिक समझ को दर्शाता है। हालांकि, हम यह भी देखते हैं कि भारत सहित अधिकतर देशों से आयात पर 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी प्रभावी है।'' इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अध्यक्ष अशोक चांडक का मानना है कि शुल्क पर अस्थायी राहत से व्यवसायों तथा भारत को आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थिर करने व परिचालन को अनुकूलित करने का मौका मिलता है। साथ ही नीति निर्माताओं को अधिक टिकाऊ व्यापार समझौतों की दिशा में काम करने का अवसर भी देता है।

क्लियरट्रिप ने मंजरी सिंघल को मुख्य विकास एवं व्यवसाय अधिकारी किया नियुक्त

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्राा मंच क्लियरट्रिप ने मंजरी सिंघल को अपना मुख्य विकास एवं कारोबार अधिकारी नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। फ्लिपकार्ट की कंपनी क्लियरट्रिप ने बयान में कहा, वह अनुज राठी की जगह लेंगी जो नए अवसरों की तलाश में कंपनी से अलग हो रहे हैं। अगले महीने वह राठी के साथ मिलकर काम करेंगी ताकि इस पद पर सहज व निर्बाध बदलाव सुनिश्चित हो सके। अपनी नई भूमिका में सिंघल व्यवसाय, विकास, विपणन व ग्राहक अनुभव कार्यों की देखरेख करेंगी। फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय वीर यादव ने कहा, '' फ्लिपकार्ट में यात्रा खंड हमारे लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। हम इस व्यवसाय में निवेश करने और इसकी विशाल क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए इसे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम इस महत्वपूर्ण भूमिका में मंजरी का स्वागत करते हुए उत्साहित हैं।'' सिंघल वर्तमान में सौंदर्य, दैनिक उपभोग की घरेलू वस्तुओं और सामान्य व्यापारिक कारोबार का नेतृत्व करती हैं। वह 2019 में फ्लिपकार्ट से जुड़ी थीं।

पंजाब एंड सिंध बैंक के मुद्रा ऋण से जमीनी स्तर पर 10 लाख रोजगार पैदा हुए : प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा कि बैंक ने पिछले 10 साल में जो मुद्रा ऋण उपलब्ध कराएं उससे जमीनी स्तर पर 10 लाख नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की गत 10 वर्षों की प्रगति पर साहा ने कहा कि बैंक ने इस योजना के तहत 12,820 करोड़ रुपये का कर्ज दिया है, जिससे देश भर में 6.84 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं।

साहा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' इनमें छोटे विक्रेता, महिला उद्यमी, कारीगर और युवा शामिल हैं जो अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त हैं। हमने ऋण शिशु (50,000 रुपये तक के ऋण) श्रेणी के करीब 44 प्रतिशत कर्ज वितरित किए है, जो पहली बार कर्ज लेने वालों और जमीनी स्तर पर उद्यमिता पर हमारे ध्यान देने की नीति को दर्शाता है। '' उन्होंने कहा कि पंजाब एंड सिंध बैंक ने उद्यमियों को अपना कारोबार स्थापित करने और उसका विस्तार करने में सक्षम बनाया है, जिससे रोजगार सृजन हुआ है। साहा ने कहा, '' इस योजना के जरिये बैंक द्वारा जमीनी स्तर पर अबतक करीब 10 लाख नौकरियां सृजित हुईं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने आठ अप्रैल, 2015 को सदस्य ऋण संस्थानों के माध्यम से गारंटी-मुक्त संस्थागत कर्ज उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की थी।

जेएलआर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक खुदरा बिक्री की दर्ज

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर इंडिया की वित्त वर्ष 2024-25 में खुदरा बिक्री वार्षिक आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर सर्वाधिक 6,183 वाहन रही। कंपनी की इस दौरान थोक बिक्री भी सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 6,266 इकाई हो गई। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) इंडिया ने बयान में कहा, चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में खुदरा वार्षिक आधार पर 110 प्रतिशत बढ़कर 1,793 इकाई और थोक बिक्री 118 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,710 इकाई रही। वाहन विनिर्माता कंपनी के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में 'डिफेंडर' कंपनी का सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा जिसकी बिक्री में 90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद स्थानीय स्तर पर निर्मित रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट क्रमशः 72 और 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा, '' हम 'क्यूरेटेड' उत्पाद पेशकशों और असाधारण ग्राहक अनुभव के साथ चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कमजोर साबित हुई 'सिकंदर' फिल्म

कमाई में और गिरावट दर्ज

इन दिनों सिनेमाघरों में कई बड़ी फिल्में रिलीज हुई हैं, जिनमें सलमान खान की ईद पर आई 'सिकंदर' भी शामिल है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों और निर्माताओं में भारी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। फिल्म की शुरुआत तो ठीक-ठाक रही, लेकिन पहले दिन के बाद से ही इसकी कमाई में लगातार गिरावट देखने को मिली। अब रिलीज के 11वें दिन भी 'सिकंदर' संघर्ष करती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई में और गिरावट दर्ज की गई है। फिल्म समीक्षकों का मानना है कि कमजोर कहानी और स्क्रीनप्ले के चलते दर्शकों का जुड़ाव नहीं बन पाया, जिसकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं सकी। अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में 'सिकंदर' और कितनी कमाई कर पाती है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' ने रिलीज़ के 11वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 1.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 107.10 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म का निर्देशन ए.आर. मुरुगदॉस ने किया है, जो 'गजनी' जैसी सुपरहिट फिल्म के लिए पहचाने जाते हैं। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं, जबकि प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल, सत्यराज और शरमन जोशी जैसे कलाकार सहायक भूमिकाओं में फिल्म का हिस्सा हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को नहीं मिलते समान अवसर : ईशा मालवीय

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई है कि कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। साल 2021 में रिलीज हुए टेलीविजन शो "उड़ारियां" से एक्टिंग की शुरुआत करने वालीं ईशा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "एक चीज जो मुझे हमेशा हैरान करती है और अब भी करती है, वह यह है कि कितने प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। मैं यह नहीं कह रही कि भाई-भतीजावाद पूरी तरह से गलत है, लेकिन मुझे लगता है कि बाहरी लोगों को कम से कम अपनी काबिलियत साबित करने के लिए एक निष्पक्ष मौका तो मिलना चाहिए।" अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि इंडस्ट्री को "असली प्रतिभा" पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, "उन्हें स्टार किड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने दें और दर्शकों को फैसला करने दें कि कौन वास्तव में चमकने का हकदार है। इंडस्ट्री को किसी की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना असली प्रतिभा पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और बॉलीवुड का भविष्य योग्यता से तय होना चाहिए।" "उड़ारियां" में जैस्मिन का किरदार निभाने के बाद ईशा ने साल 2023 में विवादित रियलिटी शो "बिग बॉस" के 17वें संस्करण में हिस्सा लिया था। वह "पांव की जूती" जैसे म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने गौहर खान के साथ शो "लवली लोला" में भी काम किया। क्या उन्हें अपने से पूरी तरह अलग किरदार निभाना ज्यादा मुश्किल लगता है या ऐसा किरदार जो उनके व्यक्तित्व से मिलता-जुलता हो? इसके जवाब में ईशा ने कहा, "यह मुझे एक अलग तरह की खुशी देता है और मेरे आत्मविश्वास को बहुत बढ़ाता है। इससे मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक बहुमुखी अभिनेत्री हूं, जो किसी भी तरह का किरदार निभा सकती हूं। ईमानदारी से कहूं तो किसी भी किरदार को निभाते समय मुझे कभी कोई हिचकिचाहट नहीं हुई, यह मेरे दिमाग में कभी नहीं आया।" एक्ट्रेस ने अपनी कमजोरी के बारे में बात की और कहा, "मेरी कमजोरी निश्चित रूप से ढेर सारी मिठाइयां खाना है। हालांकि, मुझे शायद ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि मुझे अपनी फिटनेस का ध्यान रखना पड़ता है, लेकिन कभी-कभार ऐसा करना ठीक है।" जब उनसे पूछा गया कि अगर उनकी जिंदगी पर फिल्म बने, तो उसका नाम क्या होगा। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "अगर मेरी जिंदगी पर कोई फिल्म बनी, तो उसका नाम जरूर 'ये लड़की पागल है' होगा।"

बीएसएफ जवानों के साथ सनी देओल ने किया डांस

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'जाट' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म की रिलीज के जश्न में अब एक मनोरंजक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें सनी देओल अपनी सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' के आइकॉनिक गाने 'मैं निकला गड्डी लेके' पर जोशीले अंदाज में थिरकते नजर आ रहे हैं। वीडियो में सनी देओल का वही पुराना जबरदस्त एनर्जी वाला अवतार देखने को मिल रहा है, जिसने उन्हें एक्शन और देसी हीरो के रूप में पहचान दिलाई थी। इस वीडियो को देखकर फैंस खुशी में डूब गए हैं और कमेंट्स में जमकर प्यार लुटा रहे हैं। सनी का ये अंदाज एक बार फिर साबित करता है कि वो सिर्फ स्क्रीन पर ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ में भी एंटरटेनमेंट का पावरहाउस हैं। दिल को छू लेने वाले वीडियो में देखा जा सकता है कि बीएसएफ के जवान 'मैं निकला गड्डी लेके' गाना गा रहे हैं, और सनी देओल पूरे जोश के साथ उनके साथ थिरकते नजर आ रहे हैं। जवानों के बीच सनी का ये जज्बा और जोश देखकर माहौल पूरी तरह देशभक्ति और उत्साह से भर गया। असल में, 'जाट' की रिलीज के बाद सनी देओल राजस्थान के जैसलमेर पहुंचे, जहां उन्होंने तनोट माता मंदिर में दर्शन किए और मां का आशीर्वाद लिया।

श्रेया गुप्ता ने साउथ इंडस्ट्री में किया था कास्टिंग काउच का सामना

मुंबई। हाल ही में एक्ट्रेस श्रेया गुप्ता ने अपने संघर्ष और अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का सामना किया था। श्रेया का पालन-पोषण चेन्नई में हुआ और उन्होंने अपने करियर की शुरुआत तमिल फिल्मों से की थी। फिल्म सिकंदर से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली श्रेया ने बताया कि जब वह अच्छे रोल्स के लिए संघर्ष कर रही थीं, तब चेन्नई में उन्हें कास्टिंग काउच जैसी भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घटना याद करते हुए कहा कि 2014 में वह एक ऑडिशन के लिए एक डायरेक्टर के ऑफिस गई थीं, जहां डायरेक्टर ने उन्हें अपनी गोद में बैठकर सीन दिखाने को कहा। श्रेया ने बताया कि वह उस वक्त बहुत छोटी थीं और इस बात से बेहद असहज हो गईं। उन्होंने बहाना बनाकर वहां से भाग निकलना ही बेहतर समझा। उस घटना ने उन्हें यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर इतनी पढ़ाई करने के बाद भी इस तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा, तो बेहतर है कि वे मुंबई जाकर अपनी किस्मत आजमाएं। मुंबई आने के बाद श्रेया को इस तरह की किसी भी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह किसी भी कीमत पर अपनी सीमाओं से समझौता नहीं करेंगी, और कोई भी उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी कहा कि साउथ इंडस्ट्री की स्थिति अब पहले से बेहतर हो चुकी है। श्रेया इससे पहले रजनीकांत की फिल्म दरबार, सूर्या की वाराणम आयिरम और मथियाल वेल में काम कर चुकी हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सिकंदर में उनका रोल काफी हद तक एडिट कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद वह खुश हैं कि उन्हें इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने निर्देशक ए.आर. मुरुगदास का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके करियर के लिए एक बड़ी शुरुआत है। हालांकि, बड़े सितारों के साथ काम करने के बावजूद उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। मुंबई में उन्होंने विज्ञापन, टीवी सीरियल्स समेत कई छोटे प्रोजेक्ट्स किए ताकि खुद को आर्थिक रूप से संभाल सकें।

थाइरॉएड में शुगर और सोया से बचें

थाइरॉएड, गर्दन के सामने वाले हिस्से में तितली के आकार की ग्रंथि है। इससे निकलने वाले हार्मोंस शरीर की भोजन को ऊर्जा में बदलने की क्षमता को काबू में रखते हैं। इस ग्रंथि में गड़बड़ी आने पर हाइपो या हाइपर थाइरॉएडिज्म होता है और वजन तेजी से कम या बढ़ने लगता है। हृदय, बाल, नाखून व नींद पर भी इसका असर होता है। दवाओं के अलावा थाइरॉएड पीड़ितों के लिए खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है।

आयोडीन

शरीर में थाइरॉएड हार्मोन बनने के लिए आयोडीन की जरूरत होती है। चूंकि शरीर स्वयं आयोडीन नहीं बनाता, इसलिए उसे डाइट में लेना जरूरी हो जाता है। आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि समुद्री नमक या डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले नमक में आयोडीन नहीं होता। नमक या उत्पाद खरीदते समय इसका ध्यान रखें।

समुद्री भोजन

मछली, झींगा आदि तमाम तरह के समुद्री भोजन में आयोडीन प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। यदि हाइपर थाइरॉएडिज्म की शिकायत है, तो समुद्री भोजन अधिक मात्रा में नहीं लेना चाहिए। अगर थाइरॉएड ग्रंथि अधिक मात्रा में हार्मोन बनाती है तो अतिरिक्त आयोडीन स्थिति को और गंभीर बना देता है। उदाहरण के लिए समुद्री घास में आयोडीन बहुत अधिक मात्रा में होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां, मेवे और बीज

मैग्नीशियम की कमी से हाइपो थाइरॉएडिज्म होता है, जिससे थकावट व मांसपेशियों में खिंचाव रहने लगता है। इसके लिए पालक, लेट्यूस, हरी पत्तेदार सब्जियां, काजू, बादाम और सीताफल के बीज खाएं। ब्राजील मेवों में मैग्नीशियम के साथ सेलेनियम भी होता है।

गोभी व ब्रोकली

गाइट्रोजेंस, तत्व का असर थाइरॉएड ग्रंथि के आकार बढ़ने के रूप में दिखायी देता है जैसे गॉइटर। शरीर में आयोडीन की कमी से यह समस्या होती है। ऐसी स्थिति में गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी खाना आयोडीन ग्रहण करने की क्षमता को कम करता है। जरूरी है तो इन्हें पकाकर ही खाएं।

दवाएं

कुछ दवाएं थाइरॉएड दवाओं के असर को कम करती हैं। खासतौर पर अगर वे लगभग एक ही समय ली जा रही हों। मल्टी विटामिंस, आयरन कैल्शियम सप्लीमेंट्स, एंटासिड, अल्सर या कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाली दवाएं इनमें प्रमुख हैं। यदि आप ऐसी ही दवाएं ले रहे हैं तो थाइरॉएड व अन्य दवाओं में कुछ घंटे का अंतर अवश्य रखें।

ग्लूटेन

ग्लूटेन, गेहूं व जौ में पाया जाने वाला प्रोटीन है। ग्लूटेन की एलर्जी वालों को छोड़ दें तो ग्लूटन थाइरॉएड पर असर नहीं डालता। हां, अगर गेहूं आदि से एलर्जी है तो ग्लूटेन छोटी आंत को नुकसान पहुंचा कर थाइरॉएड ग्रंथि की प्रक्रिया को तेज या धीमा कर सकता है।

चीनी

हाइपोथाइरॉएडिज्म में वजन तेजी से बढ़ता है। इसके लिए शुगर की मात्रा को कम रखना चाहिए। खासतौर पर ऐसे उत्पाद जिनमें कैलोरी अधिक व पोषक तत्व कम होते हैं, खाने से बचना चाहिए।

सोयाबीन

विशेषज्ञों के अनुसार सोयाबीन लेना हाइपोथाइरॉएडिज्म की आशंका बढ़ाता है। यदि पर्याप्त आयोडीन नहीं ले रहे हैं तो सोया उत्पाद जैसे दूध व टोफू आदि में पाए जाने वाले रसायन थाइरॉएड की हार्मोन बनाने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि :- गुस्से पर काबू और वाणी पर संयम रखना आवश्यक है। कहीं बाहर घूमने-फिरने जा सकते हैं।

मिथुन राशि :-परिजनों के साथ भरपूर मनोरंजन कर सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि :- परिजनों-मित्रों के साथ मांगिलक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

सिंह राशि :-आज का दिन आर्थिक योजना को लागू करने के लिए अच्छा है। खान-पान का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- लम्बे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी और जिंदगी सही दिशा की ओर मोड़ लेगी।

तुला राशि :- शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :-मित्रों तथा स्वजनों से मुलाकात होगी। परिवार का वातावरण सुखमय रहेगा।

धनु राशि :-परिजनों के साथ समय आनंद में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखकर विवाद से बच सकते हैं।

मकर राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

कुम्भ राशि :- सहकर्मियों और अधिकारियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम आपको लाभ दिला सकता है।

मीन राशि :- शुभकार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और पठन- लेखन जैसी साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्यः पंडित जितेंद्र तिवारी

रफिन्हा और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने दिलाई बार्सिलोना को बड़ी जीत, PSG भी जीता

बार्सिलोना। रफिन्हा और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-0 से शानदार जीत दर्ज की। लेवांडोव्स्की ने दो गोल किए जबकि रफिन्हा ने एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की।

इससे बार्सिलोना 2019 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मजबूत स्थिति में पहुंच गया। बार्सिलोना की तरफ से लैमिन यामल ने भी गोल किया जिससे जर्मन टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण मंगलवार को डॉर्टमुंड में खेला जाएगा। डॉर्टमुंड की टीम पिछले साल की उप विजेता है। तब उसे फाइनल में स्पेन की एक अन्य टीम रियाल मैड्रिड से हार का सामना करना पड़ा था। क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के एक अन्य मैच में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया के शानदार गोल की मदद से एस्टन विला को 3-1 से हरा दिया। मॉर्गन रोजर्स ने 35वें मिनट में विला को बढ़त दिला दी थी लेकिन 19 वर्षीय डेसिरे डोउ ने इसके चार मिनट बाद सत्र का अपना 12वां गोल करके पीएसजी को बराबरी पर ला दिया। क्वारात्सखेलिया ने बुधवार को चले गए इस मैच में मध्यांतर के चार मिनट बाद पीएसजी को आगे कर दिया। फ्रांस की टीम की तरफ से लेफ्ट बैक नूनो मेंडेस ने स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया।

भारत में खेलने का अनुभव शानदारः मानन्चाया

पुणे। भारत के पुणे में आयोजित बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 टूर्नामेंट में थाईलैंड की मानन्चाया सावनकावे शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महलुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में एमएसएलटीए, एआईटीए और पीएमडीटीए के संयुक्त आयोजन में चल रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक अपने दोनों मुकाबले जीतकर सबका ध्यान खींचा है। पहले दिन थाईलैंड की टीम ने हांगकांग, चीन के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मानन्चाया ने शानदार वापसी करते हुए होन्ग यी कोडी वोंग को 3-6, 6-3, 6-1 से हराकर अपनी टीम को विजयी शुरुआत दिलाई। दूसरे दिन थाईलैंड की टक्कर मेज़बान भारत से हुई। इस बार मानन्चाया का सामना भारत की सहजा यमलपल्ली से हुआ। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां मानन्चाया ने पहला सेट 6-3 से जीता, लेकिन सहजा ने टाई-ब्रेक में दूसरा सेट जीतकर मुकाबले में वापसी की। दुर्भाग्यवश तीसरे सेट में चोट के चलते सहजा को मैच से रिटायर

होना पड़ा और मुकाबला मानन्चाया के नाम रहा। भारत में खेलने के अनुभव पर मानन्चाया ने एक आदिकारिक बयान में कहा, "मैं जूनियर स्तर से ही भारत में खेल रही हूं और यहां आकर हमेशा अच्छा लगता है। कभी-कभी गर्मी और उमस के कारण मुश्किल होती है लेकिन अब इसकी आदत हो गई है। भारतीय खिलाड़ी अब काफी बेहतर हो रहे हैं और उनके खिलाफ खेलना अच्छा लगता है।" उन्होंने हाल ही में भारत में आयोजित डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन में भी हिस्सा लिया था और कहा, "यहां की सुविधाएं मुंबई ओपन जैसी ही बेहतरीन हैं। पहले की तुलना में अब चीज़ें और बेहतर हो रही हैं और मैं हमेशा भारत आकर खुश होती हूं।" पुणे की गर्मी पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं आमतौर पर शाम को दूसरा मैच खेल रही हूं, जिससे बहुत फायदा हुआ है। दोपहर में धूप तेज़ होती है और गेंद फ्लैट हो जाती है, लेकिन सूरज ढलने के बाद स्थिति बेहतर रहती है और खेलना आसान हो जाता है।" अपनी टीम के योगदान को लेकर मानन्चाया ने कहा, "देश के लिए खेलना दबाव भरा होता है लेकिन हमारी टीम एक-दूसरे का पूरा साथ देती है। मानसिक मजबूती सबसे जरूरी होती है और हमारे कोच ने इसमें मेरी काफी मदद की है। टीम मुझे मुस्कुराने में मदद करती है और मैं इस टीम से बहुत प्यार करती हूं।" भारतीय खिलाड़ी सहजा यमलपल्ली की तारीफ करते हुए मानन्चाया ने कहा, "वो बहुत अच्छा खेली और पहले से काफी बेहतर हो गई हैं। उन्होंने अपने देश के लिए कड़ा संघर्ष किया।

चेन्नई को कोलकाता की कड़ी चुनौती का करना होगा सामना

चेन्नई। लगातार हार से बेजार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। चेन्नई की टीम को अभी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 18 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था। चेन्नई की टीम अब अपना भाग्य बदलने के उद्देश्य से अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए उतरेगी। उसे हालांकि अभी तक यहां के विकेट से उतनी मदद नहीं मिली है जैसे कि अतीत में मिला करती थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की थी।

चेन्नई की पिछली सफलताओं में उसका घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन अब यहां की पिच काफी बदल गई है और उसके खिलाड़ी इससे सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को जल्द से जल्द यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा। सभी की निगाहें एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी रहेंगी। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 12 गेंद पर 27 रन बनाए थे जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है।

चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बड़ी पारी की दरकार है। चेन्नई की गेंदबाजी कमोबेश वैसी ही रहेगी, जिसमें खलील अहमद, मुकेश चौधरी और मथीशा पथिराना तेज गेंदबाजी विभाग संभालेंगे जबकि रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और नूर अहमद पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी। जहां तक नाइट राइडर्स का सवाल है, वे तीन दिन पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मिली करीबी हार से उबरने और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेंगे। उनके गेंदबाजों को ईडन गार्डन्स में लखनऊ के बल्लेबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। उन्हें यहां अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

बल्लेबाजी में नाइट राइडर्स का दारोमदार फिर से क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा। अगर अंक तालिका में वर्तमान स्थिति का जिक्र करें तो चेन्नई चार हार और एक जीत के बाद नौवें स्थान पर, जबकि केकेआर पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ छठे स्थान पर है।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडर्सः क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसौदिया, मोइन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज़ और चेतन सकारिया।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भाग लेंगी छह-छह टीम

22 नई पदक स्पर्धाएं जोड़ी गई

नई दिल्ली। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में जब 128 वर्षों के बाद क्रिकेट की वापसी होगी तो पुरुष और महिला वर्ग में से प्रत्येक में छह टीम स्वर्ण पदक के लिए अपना दावा पेश करेंगी। ओलंपिक खेलों में इससे पहले पेरिस में 1900 में आयोजित किए गए खेलों में क्रिकेट को शामिल किया गया था। तब क्रिकेट में फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन ने ही हिस्सा लिया था। इन दोनों टीम के बीच दो दिवसीय मैच खेला गया था जिसे अनधिकृत टेस्ट मैच का दर्जा हासिल है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं में छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम 15 सदस्यीय टीम का चयन कर सकती हैं क्योंकि पुरुष और महिलाओं दोनों में 90-90 खिलाड़ियों का कोटा आवंटित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे 12 पूर्ण सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा 94 देश एसोसिएट सदस्य हैं। ओलंपिक 2028 में क्रिकेट में क्वालीफाई करने के तरीके

कि अभी तक पुष्टि नहीं की गई है लेकिन अमेरिका को मेजबान देश होने के कारण सीधा प्रवेश मिलना तय है। प्रत्येक वर्ग में बाकी पांच टीम क्वालिफिकेशन के जरिए इसमें अपनी जगह बनाएंगी। ऐसा माना जा रहा है कि किसी निश्चित समय सीमा तक आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली पांच टीमों को अमेरिका के साथ ओलंपिक खेलों में प्रवेश किया जाएगा। क्रिकेट उन पांच खेलों में शामिल है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने अगले ओलंपिक खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी थी। चार अन्य खेल बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ़्लैग फ़ुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वाश हैं। इस बीच आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को ओलंपिक खेल 2028 के लिए प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा को मंजूरी दी। इन खेलों में पेरिस ओलंपिक 2024 की तुलना में 22 अधिक पदक स्पर्धाएं होंगी। आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिए रिकॉर्ड 351 पदक स्पर्धाओं को मंजूरी दी है लेकिन खिलाड़ियों की संख्या 10500 ही रहेगी। खिलाड़ियों की संख्या में नए खेलों के 698 खिलाड़ी भी शामिल हैं। ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार टीम खेलों में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या समान होगी। अन्य खेलों में मुक्केबाजी में पुरुषों की तरह महिला वर्ग में भी समान सात वजन वर्ग होंगे।

संक्षिप्त खबरें

भारत के पूर्व बास्केटबॉल कप्तान हरि दत्त कापड़ी का निधन

पिथौरागढ। अपने जमाने के दिग्गज बास्केटबॉल खिलाड़ी और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान हरि दत्त कापड़ी का यहां उनके आवास पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। कापड़ी के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। गुरुवार को उनका रामेश्वर घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। कापड़ी का जन्म वर्ष 1942 में पिथौरागढ़ जिले के मुवानी क्षेत्र के चिरियाखान गांव में हुआ था। उन्हें 1969 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके नेतृत्व में ही भारतीय बास्केटबॉल टीम वर्ष 1969 में एशिया में सातवें से चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। भारतीय बास्केटबॉल टीम ने 1965 से 1978 तक उनकी कप्तानी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। कापड़ी को उत्तराखंड सरकार ने लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया था। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने कहा, ''वह बास्केटबॉल के असाधारण खिलाड़ी थे। उन्होंने खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण भारतीय टीम को एशिया में चौथे स्थान पर लाकर देश को गौरवान्वित किया था।'' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

ओलंपिक से 75 किग्रा हटाए जाने के बाद 70 किग्रा वजन वर्ग में जा सकती है लवलीना

नई दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 70 किग्रा वर्ग में जा सकती हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए उनके मौजूदा 75 किग्रा भार वर्ग को खत्म कर दिया है। आईओसी ने बुधवार को ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा की। नए बदलाव के कारण लवलीना को या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में अपना भाग्य आजमाना होगा। घटनाक्रम से हैरान लवलीना ने गुवाहाटी से पीटीआई से कहा, ''यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'' उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस घटनाक्रम से हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकरअंतिम फैसला किया जाएगा। बोरा ने कहा, '''इस खबर से मैं वास्तव में हैरान हूं। अभी किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वह 70 और 80 दोनों वजन वर्गों में लड़ सकती है लेकिन हमें इस पर फैसला करने से पहले कुछ परीक्षण करने होंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयार

26 अप्रैल से खेले जाएँगे पांच मुकाबले, पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26 अप्रैल से 4 मई तक होंगे सभी मैच

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से शुरू होने जा रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरे के दौरान भारत पांच मैच खेलेगा, जिनमें दो मुकाबले ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ होंगे, जबकि तीन मैच वर्ल्ड नंबर-5 ऑस्ट्रेलिया सीनियर टीम से होंगे।

दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बैक-टू-बैक मैचों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम 1, 3 और 4 मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ उतरेगी। ये सभी मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में भारतीय महिला टीम फिलहाल 9वें स्थान पर है और हाल ही में भुवनेश्वर में वर्ल्ड नंबर-1

नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 ड्रॉ और शूटआउट में जीत के बाद टीम का आत्मविश्वास बुलंद है। यह प्रदर्शन एफआईएच प्रो लीग के होम लेग का शानदार अंत रहा। पिछली बार जब भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमें आमने-सामने आई थीं, तब भारत ने प्रो लीग 2023-24 में 1-0 से जीत दर्ज की थी। वहीं, टोक्यो ओलंपिक्स 2021 में भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया था।

हालांकि, 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था, लेकिन शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया विजेता रहा था। इतिहास की बात करें तो 2013 के बाद से अब तक दोनों टीमों के बीच 16 मुकाबले हुए हैं, जिनमें से 10 बार ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है, जबकि भारत ने 3 मैच जीते हैं और 3 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इस दौरे को टीम की तैयारियों के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा, "यह दौरा यूरोप में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के अगले चरण की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमारे खिलाड़ियों की परीक्षा लेगा और यह जानने का मौका देगा कि हम कहां खड़े हैं।" उन्होंने कहा, "हाल के वर्षों में हमने दिखाया है कि हम ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ बराबरी की टक्कर दे सकते हैं। टीम इस समय बेंगलुरु में चल रहे कैंप में कड़ी मेहनत कर रही है और रणनीति को धार देने पर फोकस है।" भारतीय महिला हॉकी टीम अब इस दौरे के जरिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है, ताकि जून में शुरू हो रहे एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में दमदार प्रदर्शन कर सके।

अमेरिकी वीजा में देरी के कारण भारत को विश्व कप में पदक से हाथ धोना पड़ाः तीरंदाजी कोच तेजा

कोलकाता। भारतीय कोच जीवनजोत सिंह तेजा ने कहा कि देश की महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम वीजा में देरी के कारण अमेरिका में सत्र के पहले विश्व कप चरण एक टूर्नामेंट में नहीं खेल सकी जिससे टीम को पदक से हाथ धोना पड़ा। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने 2024 में दांव पर लगे तीनों स्वर्ण पदक जीते थे। इसकी तीन सदस्य विश्व चैंपियन अदिति स्वामी, मधुरा धामनगांवकर और तनिपर्थी चिकिथा को समय पर अमेरिकी वीजा नहीं मिला जिसके कारण वे फ्लोरिडा के ऑरबर्नडेल में प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा नहीं कर

सकीं। तेजा खुद अमेरिका नहीं जा सके। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से यह पदक से चूकने जैसा था।'' उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, ''हमारी महिला टीम स्पर्धा जीतने की शत प्रतिशत संभावना थी। हमने पिछले साल शंघाई, येचियोन और अंताल्या में आयोजित विश्व कप के सभी तीन स्वर्ण पदक जीते थे।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में पीवी सिंधू और राजावत हारे

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

निंगबो (चीन)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत बृहस्पतिवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपने वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए।

विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज 29 वर्षीय सिंधू ने कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे छह मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में दुनिया की चौथी और तीसरी वरीयता प्राप्त जापान की अकाने यामागुची से 12-21, 21-16, 16-21 से हार गईं। राजावत पुरुष एकल मुकाबले में सातवीं रैंकिंग और पांचवें वरीय जापान के कोडाई नाराओका से सीधे गेम में 14-21, 17-21 से हार गए।

पुरुष एकल स्पर्धा में किरण जॉर्ज का सफर भी समाप्त हो गया। उन्हें थाईलैंड के पांचवें वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण के खिलाफ 21-19 13-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह भारत का पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में अभियान समाप्त हो गया है। हालांकि ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने चीनी ताइपे के ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चैन को 12-21 21-16 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कपिला और क्रास्टो की जोड़ी का सामना अब हांगकांग के चुन मैन टैंग और यिंग सुएट त्से की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। लेकिन मिश्रित युगल में अशिथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश की एक अन्य भारतीय जोड़ी को चीन के शीर्ष वरीय जियांग जेन बैंग और वेई या शिन के खिलाफ 11-21 14-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। वहीं पुरुष युगल स्पर्धा में शाम में हरिहरन अम्साकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासबापति का सामना मलेशिया के आरोन चिया और वूई यिक सोह की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा।

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल कियाः पटेल

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।

साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पार्थिव ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी

तरह से अमल किया।'' उन्होंने कहा, ''मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया। '' पार्थिव ने कहा, ''यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं।'' उन्होंने कहा,''हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।'' राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन उनकी टीम अच्छी साझेदारी निभाने में नाकाम रही। बहुतुले ने कहा, ''मुझे लगता है कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा विकेट था। ईमानदारी से कहूं तो 200 रन बराबरी का स्कोर था।

सैमसन पर धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 24 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मैच 58 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई थी। आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, ''राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है।'' बयान के अनुसार, '' यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का दूसरा अपराध था, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल की एटीएफ से छुट्टी की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल को अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटा दिया है। उनकी जगह सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को नियुक्त किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक प्रमुख के पद से कब हटाया गया। बुधवार तक, पटेल की तस्वीर और पद को एटीएफ की वेबसाइट से नहीं हटाया गया।

अमेरिका की प्रमुख न्यूज वेबसाइट 'द हिल' की खबर में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि ड्रिस्कॉल को एटीएफ का नया कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया है। वह सेना के सचिव बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि फरवरी के अंत में पटेल को न्याय विभाग (डीओजे) के भीतर एक घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसी एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया था। एफबीआई की कमान संभालने के तुरंत बाद उन्हें शपथ दिलाई गई थी। इस बदलाव पर एफबीआई ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एटीएफ विस्फोटक, आग्नेयास्त्रों और आगजनी के साथ-साथ तंबाकू और शराब की अवैध तस्करी से जुड़े संघीय अपराधों की जांच करता है और उन्हें रोकने का प्रयास करता है। पिछले महीने, 14 डेमोक्रेट्स के एक समूह ने चार मार्च को लिखे एक पत्र में ट्रंप से पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटाने का आह्वान किया था। सांसदों, हाउस गन वायलेंस प्रिवेंशन टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि यह 'अविश्वसनीय है कि अपराध से लड़ने, सामूहिक गोलीबारी का जवाब देने या घरेलू आतंकवाद का सामना करने का अनुभव न रखने वाले किसी व्यक्ति को एटीएफ का कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया है।'

एटीएफ के पिछले निदेशक स्टीव डेटलबैक ने जनवरी में इस्तीफा दिया था। डेटलबैक 2015 के बाद से एजेंसी के पहले स्थायी प्रमुख थे। ड्रिस्कॉल को पिछले साल दिसंबर में ट्रंप ने सेना का नेतृत्व करने के लिए चुना था। फरवरी के अंत में उनकी सेना सचिव के रूप में पुष्टि की गई थी। ड्रिस्कॉल ने साढ़े तीन साल तक सेना में सेवा की। 2009 में उन्हें इराक में तैनात किया गया था। ड्रिस्कॉल ने येल लॉ स्कूल में पढ़ाई की। यहीं उनकी मुलाकात उपराष्ट्रपति वेंस से हुई थी। महत्वपूर्ण यह है कि पिछले तीन माह में ट्रंप नौ से ज्यादा सैन्य अधिकारियों की छुट्टी कर चुके हैं। काश पटेल को पद से ऐसे समय में हटाया गया है। जब अमेरिकी न्याय विभाग ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन और अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो संभावित विलय पर विचार कर रहा है। दोनों का विलय खर्चा कम करने के लिए किया जा सकता है। ऐसे में पटेल की छुट्टी कई तरह के सवाल खड़े कर रही है।

काश पटेल का पूरा नाम कश्यप प्रमोद पटेल है। काश पटेल का परिवार मूल रूप से वडोदरा का रहने वाला है। काश के माता-पिता युगांडा में रहते थे। 1970 के दशक में वो अमेरिका आए। काश का जन्म गार्डन सिटी, न्यूयॉर्क में हुआ है। उनके पास पेस यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री है। नौ साल तक वकील के रूप में प्रैक्टिस करने के बाद वे अमेरिकी न्याय विभाग में शामिल हुए। साल 2017 में उन्हें इंटेलिजेंस पर हाउस पार्लियामेंट्री सेलेक्ट कमेटी का सदस्य बनाया गया। काश पटेल रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े रहे हैं और उन्हें ट्रंप का करीबी माना जाता है।

मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य चुनौतीपूर्ण

हर स्थिति के लिए तैयार रहें सुरक्षा बल : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सलाह दी है कि आज के लगातार विकसित हो रहे बहु-क्षेत्रीय वातावरण में संयुक्त रूप से काम करके भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध आदि पारंपरिक अभियानों की तरह ही शक्तिशाली हैं। उन्होंने अधिकारियों से रणनीतिक-सैन्य परिवर्तन के लिए बारीकियों का गहराई से अध्ययन करने का आग्रह किया।

रक्षा मंत्री गुरुवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की वैश्विक भू-राजनीति को तीन प्रमुख मापदंडों से पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। सरकार सशस्त्र बलों को बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो उसके पड़ोस से उत्पन्न होने वाले छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से और भी जटिल हो गए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां युद्ध में क्रांति ला रही हैं। यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए हथियार के रूप में उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों के अधिकांश नुकसान के लिए पारंपरिक तोपखाने के बजाय ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसी तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं, सैन्य खुफिया, निरंतर निगरानी और संचार को बदल रही हैं, जिससे युद्ध एक नए स्तर पर पहुंच रहा है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है, जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे उपकरण बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव के समग्र सुरक्षा गणित पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को जोरदार तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम लागत वाली उच्च तकनीक विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे बलों को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ तालमेल रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

फेसबुक ने चीन के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया: विलियम्स

वाशिंगटन। फेसबुक की पूर्व कार्यकारी सारा व्यान-विलियम्स ने बुधवार को सीनेट की न्यायिक समिति के समक्ष अपनी गवाही में फेसबुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और चीन में अपना कारोबार बढ़ाने के लिए अमेरिका के कृत्रिम मेधा प्रयासों के बारे में उसे जानकारी देने का आरोप लगाया। विलियम्स ने अपनी गवाही में कहा कि हम चीन के साथ एआई हथियारों की दौड़ में हैं और मेटा में मेरे कार्यकाल के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने कर्मचारियों, शेयरधारकों, कांग्रेस और अमेरिकी जनता से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपने संबंधों के बारे में झूठ बोला। विलियम्स की किताब 'केयरलेस पीपुल' में अनेक ऐसे विवरण साझा किए गए हैं जो कंपनी में उनके कार्यकाल के दौरान के हैं। प्रकाशित होने के पहले ही सप्ताह में इस किताब की 60,000 प्रतियां बिकीं और यह अमेजन की 'बेस्ट-सेलर' सूची में शीर्ष 10 में पहुंच गई, कनेक्टिकट के डेमोक्रेट सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने सुनवाई के दौरान कहा कि मेटा ने पूर्व कार्यकारी को चुप कराने के लिए उसे धमकियां दीं और डरा-धमकाया।

पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद 'अहले-ए-सुन्नत वल जमात' और 'इंटरनेशनल ख़त्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट' के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले के सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बांग्लादेश: चुनाव दिसंबर या अगले साल जून तक संभव : यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कल यहां ब्रिटेन की व्यापार दूत बैरोनेस रोजी विंटरटन के साथ स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में चर्चा की। यूनुस ने इस दौरान कहा कि देश में अगले संसदीय चुनाव इस वर्ष दिसंबर या अगले साल जून में कराए जा सकते हैं। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतरिम सरकार किस हद तक सुधार लागू करेगी। इस पर राष्ट्रीय सहमति के लिए राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की जा रही है।

ट्रंप की ओर से शुल्क बढ़ाए जाने के बाद चीन ने अन्य देशों से संपर्क साधा

बीजिंग। अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ाए जाने के बाद चीन अन्य देशों से संपर्क कर रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि बीजिंग अमेरिका को कदम पीछे हटाने के लिए मजबूर करने के वास्ते संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक बाजार में मंदी की आशंका के बीच बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादातर देशों पर लगाए गए शुल्क को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने चीन से आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी है।

ट्रंप ने कहा कि ये देश अधिक अनुकूल शर्तों पर बातचीत करने के लिए राजी हैं। चीन ने बातचीत करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि अमेरिका 'मक्कार' है और वह शुल्क युद्ध में 'अंत तक लड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने चीनी आयात पर कर की दर को और बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी वस्तुओं पर 84 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो बृहस्पतिवार से प्रभावी हो गया है। इन घटनाक्रम के बीच चीन ने अब यूरोप पर ध्यान केंद्रित किया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच फोन पर बातचीत हुई जिसके जरिए 'दुनिया को एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की गई है।' दोनों एक दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने अपनी एक खबर में कहा कि चीन यूरोपीय संघ के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है ताकि चीन और यूरोपीय संघ के नेताओं के बीच जो समझ बनी है उस पर मिल कर अमल किया जा सके। चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त सेफकोविक के बीच अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा हुई।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब हादसे के बाद लोगों के जीवित बचे होने की आस हो रही धूमिल

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने की घटना में मृतकों की संख्या 184 पहुंच गई है। बचाव दलों ने बृहस्पतिवार को मलबे में जीवितों की तलाश जारी रखी, हालांकि अब उन्हें इस प्रयास में सफलता की उम्मीद कम ही है।

डोमिनिकन गणराज्य के फोरेंसिक संस्थान के बाहर बुधवार देर रात दर्जनों लोग इस उम्मीद में जमा हुए थे, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से वे हताश दिखे। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अस्पताल में भर्ती दो दर्जन मरीजों में से कुछ की हालत अभी पूरी तरह ठीक नहीं है और आठ की हालत गंभीर है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ विक्टर अटल्ला ने कहा कि हादसा बहुत भयावह था और रोगियों की हालत को देखते हुए उन्हें बचाने के लिए अब बहुत समय नहीं है। सरकार ने बुधवार रात कहा कि वह शव तलाशने में जुटी है, लेकिन आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडिज ने कहा कि मौके पर मौजूद बचावकर्मी अब भी जीवित लोगों के मिलने की आस में प्रयासरत हैं लेकिन मंगलवार शाम से कोई भी जीवित नहीं मिला है।

बुधवार देर रात अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या कम से कम 184 पर पहुंच गई है, जबकि घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था।

उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं। सरकार ने बुधवार शाम को घोषणा की कि वह बचे हुए लोगों की तलाश स्थगित कर रही है और नाइट क्लब के मलबे से 145 लोगों को बचाए जाने के बाद बचाव चरण में प्रवेश कर रही है। खोज में मदद करने के लिए प्यूर्टो रिको और इजराइल से बचाव दल बुधवार सुबह पहुंच गए थे।

पाक ने 8,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों को देश से बाहर किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने देशभर में चल रहे अभियान के तहत 8,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों को निर्वासित कर दिया है। यह कार्रवाई 'अफगान सिटीजन कार्ड' (एसीसी) धारकों की स्वैच्छिक वापसी की समय-सीमा 31 मार्च को समाप्त होने के बाद तेज कर दी गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक अप्रैल से अब तक लगभग 8,115 अफगानों को तोरखम सीमा के रास्ते वापस भेजा गया है, जिनमें से अधिकांश पंजाब से पकड़े गए थे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने अब तक 5,000 से ज्यादा अफगानों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब में अवैध रूप से रह रहे लगभग एक लाख अफगानों की पहचान की गई है जिन्हें जल्द ही देश से निकाला जाएगा। यह निष्कासन का दूसरा चरण है, जिसमें एसीसी धारकों को निशाना बनाया गया है। पहले चरण में सितंबर 2023 से अब तक 800,000 से अधिक अफगानों को वापस भेजा जा चुका है। 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत हमले के बाद लाखों अफगान पाकिस्तान भाग गए थे और अब सरकार अवैध प्रवासियों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है।

नाइजीरिया: मैनिन्जाइटिस से मारे गए 151 लोग

अबुजा (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में तेजी से फैल रहे मैनिन्जाइटिस रोग से अब तक 151 लोगों की मौत हो गई और इस बीमारी के प्रकोप पर काबू पाने के लिए वहां के स्वास्थ्य अधिकारी लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

इस बीमारी से मारे गए अधिकतर लोग उत्तरी क्षेत्र के दूरदराज के हिस्सों के थे और इससे सबसे अधिक संख्या में बच्चे प्रभावित हुए हैं। नाइजीरिया रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने इस सप्ताह कहा कि अक्टूबर में पहली बार बीमारी सामने आई और नाइजीरिया के 36 राज्यों में से 23 में यह फैल गई है। इस रोग से लगभग आधी यानी 74 मौत इस वर्ष दर्ज की गई हैं। एनसीडीसी के प्रवक्ता सानी दत्ती ने बताया कि इस बीमारी से होने वाली अधिकतर मौतें मुख्य रूप से संक्रमित लोगों के समय पर स्वास्थ्य केंद्रों में नहीं पहुंचने या देरी से पहुंचने के कारण हुई हैं। वर्तमान में इस प्रकोप ने अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश को प्रभावित किया है।

संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत जूली बिशप भूकंप के बाद म्यांमा की यात्रा पर

बैंकाक। म्यांमा के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत ने भूकंप के बाद देश की यात्रा के दौरान बुधवार को विदेश मंत्री से मुलाकात की। कुछ दिन पहले म्यांमा में आए जोरदार भूकंप के कारण 3,600 से अधिक लोगों की मौत हो गई। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र में अपनी नियुक्ति के बाद, ऑस्ट्रेलिया की नागरिक जूली बिशप की यह दूसरी यात्रा है।

जूली की पहली यात्रा काफी गोपनीय रही थी और इसके बारे में पिछले साल अक्टूबर में पता चला था जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को बताया था कि उन्होंने म्यांमा की राजधानी नेपीता में सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन ऑन्ग ह्लाइंग से मुलाकात की थी। जूली ने बुधवार को नेपीता में विदेश मंत्रालय की क्षतिग्रस्त इमारत में विदेश मंत्री थान स्वे और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। म्यांमा के सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी के अनुसार 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप से नेपीता बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भूकंप से छह क्षेत्रों और राज्यों में भारी क्षति हुई। कई क्षेत्रों में बिजली, टेलीफोन या मोबाइल कनेक्शन ठप हो गए तथा सड़कें व पुल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे दक्षिण-पूर्व एशियाई देश म्यांमा में गृहयुद्ध के कारण पहले से जारी परेशानियां और बढ़ गईं।

सैन्य सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन टुन ने बुधवार देर रात कहा कि भूकंप में 3,649 लोगों की मौत हो गई है, 5,018 व्यक्ति घायल हुए हैं जबकि 145 लोग लापता हैं। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमा' ने सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के उपाध्यक्ष वाइस सीनियर जनरल सोए विन के हवाले से बताया कि भूकंप से 48,834 मकान, कई बौध मठ, 2,045 स्कूल, 2,171 विभागीय कार्यालय व भवन, 148 पुल आदि नष्ट हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व विदेश मंत्री और ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की वर्तमान वर्तमान चांसलर बिशप को पिछले वर्ष अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने म्यांमा के लिए दूत नियुक्त किया था।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश को दी उज्जैन-बदनावर फोरलेन समेत 10 सड़क परियोजनाओं की सौगात

अमेरिका से भी अच्छा बनेगा मध्य प्रदेश का नेशनल हाइवे नेटवर्क : गडकरी

धार। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को 1352 करोड़ रुपये की लागत से बने 69.1 किमी लंबे उज्जैन-बदनावर फोरलेन समेत मध्य प्रदेश को 10 सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने धार जिले के खेड़ा (बदनावर) में आयोजित समारोह में इन सड़कों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उनके साथ विशेष रूप से मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है। मैं इस बात का विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आने वाले दो साल के अंदर मध्य प्रदेश का नेशनल हाइवे नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा। मैं जो बात करूंगा, वो डंके की चोट पर पूरी करके दूंगा। उन्होंने कहा कि देश के विकास में चार चीजें महत्वपूर्ण होती हैं-वाटर, पावर, ट्रांसपोर्ट एंड कम्युनिकेशन। ये चार चीजें जहां होती हैं, वहां उद्योग और व्यापार बढ़ता है। जहां उद्योग और व्यापार बढ़ता है, वहां रोजगार बढ़ता है। हम मध्य प्रदेश में सालभर में तीन लाख करोड़ का इंफ्रास्ट्रक्चर का काम पूरा करके देंगे। यहां केवल रोड नहीं बनेंगे। दिल्ली-मुंबई से आप जुड़ जाएंगे तो आपकी जमीनों की कीमत कितनी बढ़ जाएगी। इंडस्ट्री आएगी, इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनेंगे, गोडाउन बनेंगे। रोजगार मिलेगा तो गरीबी-भुखमरी से मुक्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह बदलते दौर का मध्य प्रदेश है। आज जिस तरह से सड़क कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उससे सड़कों का काला अतीत खत्म किया। ये काम भाजपा सरकार ने कर दिखाया है। बदनावर-उज्जैन फोरलेन बनने से गुजरात के साथ अन्य राज्यों के लिए आने-जाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि बदनावर से उज्जैन जाने के लिए पहले ढाई घंटे लगते थे, अब 45 मिनट में सफर पूरा हो जाएगा। आने वाले सिंहस्थ में हम ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं आएगी। चित्रकूट का धाम बेहतर करने का हमने संकल्प किया है। मैं सतना-चित्रकूट फोरलेन के चौड़ीकरण के लिए गडकरी जी से मांग करता हूं। इससे पहले केन्द्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर बदनावर-उज्जैन फोरलेन का लोकार्पण किया। धार जिले के बदनावर में 1352 करोड़ की लागत से तैयार इस फोरलेन का निर्माण भारत माला परियोजना के तहत किया गया है। गडकरी ने कार्यक्रम में कुल 5800 करोड़ की 328 किलोमीटर लंबी 10 सड़क परियोजनाओं का भूमिपूजन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर सांसद शंकर लालवानी समेत अन्य जनप्रतिनिधि-अधिकारी मौजूद रहे।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION TIGER

learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your Referral Code Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

---

www.TuitionTiger.com

81304 81309   9220 90 5919